दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

# जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 10 अंक : 80 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, रविवार 13 अप्रैल, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

## अरब सागर में बनेगा छत्रपति शिवाजी का स्मारक

# औरंगजेब आलमगीर को मराठों ने ही चटाई थी धूल, दफन भी यहीं: शाह

जयपुर टाइम्स

**रायगढ़(एजेंसी)।** केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर मराठा शक्ति की वीरता का बखान किया। शाह ने कहा कि तथा कथित आलमगीर बने औरंगजेब को महाराष्ट्र में ही मराठों ने धूल चटाई थी और इसी धरती में आलमगीर दफन किया गया था। छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में पहुंचे। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री ने शिवाजी महाराज की वीरता को नमन किया। उन्होंने कहा कि खुद को आलमगीर कहने वाला औरंगजेब जीवन भर महाराष्ट्र में मराठों के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहा। वह मराठों से हारा और इसी धरती में दफन किया गया। औरंगजेब की समाधि इसी धरती पर है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि शिवाजी महाराज महाराष्ट्र तक सीमित नहीं हैं। उनकी एकता की विरासत देश के लिए प्रेरणा है। शिवाजी महाराज के स्वधर्म और स्वराज्य के आदर्श स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि वे छत्रपति शिवाजी महाराज को राज्य तक सीमित न रखें। उनकी जबरदस्त इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प और साहस देश को प्रेरित करते हैं क्योंकि उन्होंने रणनीतिक रूप से समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया। शिवाजी महाराज ने मुगलशाही को हराया था। अमित शाह ने कहा कि न तो भाग्य छत्रपति शिवाजी महाराज के साथ था, न ही अतीत उनके साथ था, न ही उनके पास पैसा था और न ही सेना थी। एक बच्चे ने अपने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प से पूरे देश को स्वराज का मंत्र दिया। कुछ ही समय में उन्होंने 200 साल पुरानी मुगल हुकूमत को चकनाचूर कर दिया और देश को आजाद कराया। उन्होंने कहा कि आज आजादी के 75 साल बाद हम दुनिया के सामने सिर ऊंचा करके खड़े हैं। हम संकल्प लेते हैं कि जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तो हमारा भारत दुनिया में नंबर वन होगा। यह शिवाजी महाराज का भी सपना था। महान मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्श भारत को अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाने और महाशक्ति बनने की यात्रा के लिए प्रेरित करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार शिवाजी महाराज के आदर्शों पर काम करती है। गृह मंत्री ने रायगढ़ किले को एक पर्यटन स्थल के बजाय भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने स्वधर्म की रक्षा और स्वराज्य की स्थापना के बीज बोने का श्रेय शिवाजी महाराज की मां जीजाबाई को दिया। अमित शाह ने कहा कि भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है और महाशक्ति बनना चाहता है। ऐसे में शिवाजी महाराज एक प्रेरणा के रूप में खड़े हैं।

### अरब सागर में बनाएंगे शिवाजी महाराज का स्मारक- फडणवीस

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वह अरब सागर में शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने के लिए काम करेंगे। इस परियोजना से संबंधित याचिका को वापस बॉम्बे उच्च न्यायालय को भेज दिया गया है। हम मामले को कुशलतापूर्वक प्रस्तुत करेंगे। फडणवीस ने दिल्ली में शिवाजी महाराज का राष्ट्रीय स्मारक बनाने की उदयनराजे भोसले की मांग को भी स्वीकार कर लिया और अमित शाह के साथ इस मामले पर चर्चा करने का वादा किया। मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उदयनराजे भोसले ने सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सद्भाव पर शिवाजी महाराज की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिवाजी महाराज का अपमान करने को गैर-जमानती अपराध बनाने और 10 साल की जेल की सजा का कानून बनाने की मांग की। साथ ही सिनेमा में ऐतिहासिक सटीकता सुनिश्चित करने के लिए सेंसर बोर्ड की स्थापना का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि दूसरों के लिए अपना जीवन समर्पित करने के बावजूद उनका अपमान किया जा रहा है। अरब सागर में शिवाजी महाराज के आगामी स्मारक के निर्माण में पर्यावरण और पारिस्थितिकी संबंधी मुद्दों के कारण देरी हो सकती है, लेकिन राजभवन में 48 एकड़ भूमि पर इसका निर्माण किया जा सकता है।

न्यूज इनबॉक्स

## मेरठ में फिल्म 'जाट' का प्रमोशन

जयपुर टाइम्स

**मेरठ।** मेरठ में दिल्ली रोड स्थित शॉप्रिक्स मॉल में शनिवार सुबह जाट मूवी देख रहे दर्शकों को फिल्म के अभिनेता सनी देओल ने सरप्राइज दे दिया। फिल्म का प्रमोशन करने के लिए बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और निर्देशक गोपीचंद मालनेनि पहुंचे। बता दें कि बीते शुक्रवार को जाट मूवी रिलीज हुई थी। शनिवार को शॉप्रिक्स मॉल में सनी देओल की पहुंचने की सूचना क्षेत्र में तेजी से आग की तरह फैल गई। हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ शॉपिंग मॉल के बाहर और अंदर इकट्ठा हो गई। इस दौरान लोगों में फोटो व सेल्फी खिंचवाने की होड़ दिखाई। पुलिस ने भीड़ को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान सड़क पर जाम की स्थिति भी बन गई। शॉप्रिक्स मॉल में 10 मिनट रुकने के बाद उन्होंने होटल कंट्री इन में पत्रकारों से बातचीत की और इसके बाद पीवीएस मॉल रवाना हो गए। यहां भी उन्हें देखने के लिए फैंस की भीड़ उमड़ पड़ी। यमला पगला दीवाना, बाद ये अलग तरह की फिल्म की है, इसका नाम जाट रखने के पीछे क्या कारण था। इस सवाल पर सनी देओल ने कहा कि ऐसी कोई वजह इसका नाम रखने की नहीं थी, जाट ताकतवर होते हैं। उन्होंने कहा कि ये फिल्म पहले स्टोरी की तरह चलती है लेकिन बाद में पता चलता है कि जट रेजिमेंट से कनेक्शन है। तो इसीलिए फिल्म का नाम जट रखा गया।

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में किए दर्शन

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर गोविन्दपुरी, स्वेज फार्म स्थित श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने सिद्धेश्वर हनुमानजी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख समृद्धि व आमजन के कल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में श्री राधा-कृष्ण विग्रह के दर्शन भी किए। इस अवसर पर विधायक पुष्पेन्द्र सिंह, मंदिर महन्त अवधेशाचार्य महाराज सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

## तीन महीने के भीतर बिल पर लेना होगा फैसला

# सुप्रीम कोर्ट ने की राष्ट्रपति के लिए समय सीमा तय

जयपुर टाइम्स

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट का राज्यपाल के मामले में फैसला शुक्रवार को ऑनलाइन अपलोड हो गया है। इस फैसले में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने निर्धारित किया है कि राष्ट्रपति को राज्यपाल की तरफ से उनके विचार के लिए आरक्षित विधेयकों पर संदर्भ प्राप्त होने की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर निर्णय लेना चाहिए। शीर्ष अदालत की तरफ से तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि की तरफ से राष्ट्रपति के विचार के लिए रोके गए और आरक्षित किए गए 10 विधेयकों को मंजूरी देने और राज्य विधानसभाओं की ओर पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए सभी राज्यपालों के लिए समयसीमा निर्धारित की थी। फैसला करने के चार दिन बाद, 415 पृष्ठों का निर्णय शुक्रवार को रात 10.54 बजे शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

### देरी पर राज्य को देनी होगी जानकारी

शीर्ष अदालत ने कहा कि हम गृह मंत्रालय की तरफ से निर्धारित समय-सीमा को अपनाना उचित समझते हैं और निर्धारित करते हैं कि राष्ट्रपति को राज्यपाल की तरफ से उनके विचार के लिए आरक्षित विधेयकों पर संदर्भ प्राप्त होने की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर निर्णय लेना आवश्यक है। इस अवधि से परे किसी भी देरी के मामले में, उचित कारणों को दर्ज करना होगा और संबंधित राज्य को सूचित करना होगा। राज्यों को भी सहयोगात्मक होना चाहिए और उठाए जा सकने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर सहयोग करना चाहिए और केंद्र सरकार की ओर से दिए गए सुझावों पर शीघ्रता से विचार करना चाहिए।'

### अनुच्छेद 200 का किया जिक्र

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने 8 अप्रैल को राष्ट्रपति के विचार के लिए दूसरे चरण में 10 विधेयकों को आरक्षित करने के फैसले को अवैध और कानून की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण करार देते हुए खारिज कर दिया। कोर्ट ने बिना किसी लाग-लपेट के कहा था कि जहां राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है और राष्ट्रपति उस पर अपनी सहमति नहीं देते हैं, तो राज्य सरकार के लिए इस न्यायालय के समक्ष ऐसी कार्रवाई करने का अधिकार खुला रहेगा। संविधान का अनुच्छेद 200 राज्यपाल को अपने समक्ष प्रस्तुत विधेयकों पर अपनी सहमति देने, सहमति नहीं देने या राष्ट्रपति के विचार के लिए उसे आरक्षित रखने का अधिकार देता है।

## मरूधरा का बदलेगा मौसम, कल से भीषण लू का अलर्ट, अंधड़-बारिश की चेतावनी

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** मौसम विभाग ने राजस्थान में लू का अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक 14 अप्रैल से लू चलेगी। लू का कहर 16 अप्रैल तक जारी रहने की संभावना है। प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में अधिकतम तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 14 अप्रैल से पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में लू चलेगी। 16 अप्रैल को जोधपुर, बीकानेर और शेखावाटी के कुछ हिस्सों में भीषण लू की चेतावनी जारी की गई है। रविवार से पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। 15 अप्रैल तक जैसलमेर में तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। यहां तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को अधिकतम तापमान कोटा में 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक था। सबसे कम न्यूनतम तापमान हनुमानगढ़ के संगरिया में 15.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश भी हुई है। सबसे अधिक 29 मिमी बारिश अलवर के बहादुरपुर में रिकॉर्ड की गई। वहीं अन्य स्थानों पर 4.5 मिमी से 8 मिमी के बीच बारिश दर्ज की गई। नागौर के खींवसर में 20 मिमी, चित्तौड़गढ़ के भोपालसागर में 15 मिमी, डीग में 14 मिमी और अलवर में 12.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। उधर, अलवर के मंडावर और किशनगढ़ बास में 11-11 मिमी और जोधपुर के लूनी व हनुमानगढ़ के भादरा में 10-10 मिमी बारिश हुई।

## नए जिलों की प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन की कवायद शुरू

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** भजनलाल सरकार ने नए जिलों की प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए फिर एक बार रिटायर्ड आईएएस ललित के. पंवार की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। कमेटी को 6 माह में सरकार को रिपोर्ट देनी है। जानकारी के अनुसार यह कमेटी प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन को लेकर सरकार को अपनी अनुशंसा देगी। इसमें राजस्व विभाग ने राजस्व इकाइयों की सीमाओं या क्षेत्राधिकार में बदलाव की अनुशंसा के लिए राज्य प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन कमेटी का गठन किया है। राजस्व विभाग की ओर से रिटायर्ड आईएएस ललित के. पंवार की अध्यक्षता में गठित कमेटी सीमाओं/क्षेत्राधिकार में बदलाव के बारे में अनुशंसा करेगी। प्रमुख सचिव राजस्व विभाग और निबंधक, राजस्व मंडल इसके सदस्य होंगे, वहीं सेवानिवृत्त आरएएस राजनारायण शर्मा जो कि कमेटी के सदस्य हैं, को कमेटी का सचिव बनाया गया है। ये कमेटी नई राजस्व इकाइयों संबंधी मार्गदर्शी सिद्धांत बताएगी और प्रशासनिक इकाइयों की पद संरचना, उनके आकार को लेकर अनुशंसा करेगी। इसके साथ ही कार्यों के अनुपात में पदों की जरूरत के मद्देनजर प्रशासनिक इकाइयों, राजस्व न्यायालयों की पदीय संरचना की अनुशंसा करेगी। इसके लिए कमेटी संबंधित जिलों का दौरा करेगी और 6 महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप देगी।

## राजस्थान बनेगा डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए पसंदीदा राज्य

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** वर्तमान डिजिटल युग में सूचना प्रौद्योगिकी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, बैंकिंग और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में आईटी की भूमिका बढ़ती जा रही है। पारदर्शी व जवाबदेही सुशासन देने में भी ई-गवर्नेंस और ऑनलाइन सेवाओं का योगदान उल्लेखनीय है। डिजिटल संसार की इन सभी गतिविधियों के सुरक्षित और निर्बाध संचालन का डेटा सेंटर्स प्रमुख आधार है। इन सेंटर्स में क्लाउड कम्प्यूटिंग, को-लोकेशन व कंटेंट डिलीवरी के माध्यम से विभिन्न डिजिटल प्लेटफोर्म संचालित होते हैं। व्यावसायिक डेटा को सुरक्षित और सुलभ रखने के साथ ही ये डेटा केन्द्र रिकवरी समाधान भी उपलब्ध कराते हैं। विगत कुछ वर्षों में हमारे देश के डेटा सेंटर्स की क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में बढ़ रहे निवेश से भारत तेजी से बढ़ते डेटा सेंटर बाजार के रूप में स्थापित हुआ है। वर्ष 2024 में भारतीय डेटा सेंटर बाजार की अनुमानित क्षमता 2 हजार मेगावाट थी, जो वर्ष 2029 तक बढ़कर 4 हजार मेगावाट से अधिक होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने डेटा सेंटर्स की इस बढ़ती उपयोगिता को देखते हुए राजस्थान में निजी क्षेत्र में डेटा सेंटर्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 लागू की है। राज्य बजट 2024-25 में यह डेटा सेंटर पॉलिसी लाने की घोषणा की गई थी। राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 का लक्ष्य राज्य में एक विश्व स्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित कर राजस्थान को डेटा सेंटर क्षेत्र का प्रमुख केन्द्र बनाना है। यह नीति राज्य में स्थापित होने वाले डेटा सेंटर्स की गतिविधियों की दक्षता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को प्रभावशाली बनाएगी। साथ ही, राज्य में डेटा प्रबंधन, प्रदर्शन और सुरक्षा के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देशों को निर्धारित करने में भी मदद करेगी। इस नीति के तहत डेटा सेंटर सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं, जिनमें 10 वर्षों तक 10-20 करोड़ रुपये वार्षिक एसेट क्रिएशन इंसेंटिव, 100 करोड़ से अधिक निवेश करने वाले पहले 3 डेटा सेंटर्स को 25 प्रतिशत अतिरिक्त सनराइज इंसेंटिव, 5 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान, बैंकिंग, ट्रांसमिशन व व्हीलिंग शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, भूमि संबंधी फ्लेक्सिबल भुगतान सुविधा, स्टांप ड्यूटी, भू-रूपांतरण व विद्युत शुल्क में छूट और 10 करोड़ रुपए तक बाह्य विकास शुल्क से छूट शामिल हैं।

# त्रिपुरा में वक्फ कानून के विरोध में हिंसक प्रदर्शन, 18 पुलिस कर्मी घायल

जयपुर टाइम्स

अगरतला(एंजेसी)त्रिपुरा के उनाकोटी जिले में शनिवार को वक्फ कानून वापस लेने की मांग को लेकर विरोध रैली निकाली गई। इस दौरान भीड़ हिंसक हो गई और पुलिस पर पथराव किया। लोगों ने पुलिस पर बोतलें भी फेंकी। प्रदर्शनकारियों की पुलिस कर्मियों के साथ हाथापाई हुई। इस दौरान एक एसडीपीओ समेत 18 पुलिस कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने हमले में कथित संलिप्तता के लिए आठ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, कांग्रेस के उनाकोटी जिला अध्यक्ष मोहम्मद बदरुज्जमां की अध्यक्षता में संयुक्त आंदोलन समिति के बैनर तले करीब 4,000 लोगों ने वक्फ कानून वापस लेने की मांग को लेकर एक विशाल रैली निकाली। रैली के कुबजर इलाके में पहुंचने पर भीड़ हिंसक हो गई। जब पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया तो प्रदर्शनकारियों ने

पुलिस कर्मियों पर पथराव किया और बोतलें फेंकी। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी दागे।

### कैलाशहर के एसडीपीओ समेत 18 पुलिस कर्मी घायल

कैलाशहर पुलिस थाने के प्रभारी सुकांत सेन चौधरी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों के हमले में कैलाशहर उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) जयंत करमाकर सहित 18 पुलिस कर्मी घायल हुई हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस कर्मियों पर हमले के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। हमले में कथित संलिप्तता के लिए आठ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच की जा रही है।

### हिंसक प्रदर्शन के बाद बदरुज्जमां ने दी सफाई

हिंसक प्रदर्शन के बाद, बदरुज्जमां ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमने शांतिपूर्ण रैली का आयोजन किया था, लेकिन निहित स्वार्थ वाले एक समूह ने हमें बदनाम करने के लिए हमारी शांतिपूर्ण रैली को हिंसक बना दिया। उन्होंने कहा कि हम वक्फ कानून को वापस लेने की मांग को लेकर अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, रविवार
13 अप्रैल, 2025

# केंद्रीय वन मंत्री एवं अलवर सांसद की अभिनव पहल 'सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा'

## हनुमान जयंती के पावन अवसर पर अलवर ग्रामीण क्षेत्र की ग्राम पंचायत पृथ्वीपुरा में हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुआ 'सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा' का शुभारम्भ

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने अपने अलवर संसदीय क्षेत्र में अभिनव नवाचार 'सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा' का शुभारम्भ हनुमान जयंती के पावन अवसर पर अलवर ग्रामीण की ग्राम पंचायत पृथ्वीपुरा में हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशाहली की कामना कर किया। इस कार्यर्क म के तहत शनिवार को ग्राम पंचायत पृथ्वीपुरा में उसके कलस्टर के ग्राम सारंगपुरा, पृथ्वीपुरा व परसा का बास तथा मोहब्बतपुर में उनसे कलस्टर के गांव दादर, महुआ खुर्द, मोहब्बतपुर व बंदीपुरा व रामगड की ग्राम पंचायत बाम्बोली में उसके कलस्टर के गांव खुटेटा कलां, बाम्बोली व नांगल टप्पा इस प्रकार बुटोली में उसके कलस्टर के गांव दीनार, बुटोली व गंडूरा में सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा आयोजित हुई।

### गांव में जाकर समस्या के समाधान के साथ विकास पर होगा काम

केन्द्रीय मंत्री यादव ने अपने संबोधन में हनुमान जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि हनुमान जयंती के पावन अवसर पर इस कार्यर्क म का शुभारम्भ हुआ है उन्होंने कहा कि सांसद के रूप में अपने संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक गांव पर पहुंच कर आमजन से रूबरू होकर न केवल उनकी समस्याओं निदान करना बल्कि विकास कार्यो को गति प्रदान करने का उदेश्य है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अन्तिम छोर के व्यक्ति को मिले इसके लिए इस कार्यक्रम में उनकी जानकारी प्रदान की जाएगी।

### युवाओं को खेल व शिक्षा में अवसर

उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य है और उन्हें जनप्रतिनिधि के रूप में अवसर प्रदान करना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढने का प्लेटफार्म उपलब्ध कराने हेतु अलवर सांसद खेल उत्सव का आयोजन कराया गया। इससे निरन्तर कराया जावेगा।

### युवाओं ने किये अपने अनुभव साझा,अलवर सांसद खेल उत्सव बडा अवसर

अलवर सांसद खेल उत्सव में जिले में तृतीय स्थान पर रही ग्राम बालेटा की गर्ल्स कबड्डी टीम की खिलाडी दीक्षा, रितु, सिमरत व अर्पिता ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हम जैसी ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को इस खेल उत्सव में प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला और हम जिलें में तीसरे स्थान पर रहे उन्होने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढने का बेहतर प्लेटफॉर्म है।

### साथ ही विभिन्न विकास कार्यो का किया लोकार्पण व उद्घाटन

इस दौरान रामग? विधायक सुखवन्त सिंह, जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, पूर्व विधायक जयराम जाटव, पूर्व विधायक राजेंद्र गंण्डुरा , मालाखेडा प्रधान वीरमती देवी व उमैरण प्रधान दौलतराम जाटव, बन्नाराम मीणा, संजय नरूका, पूर्व महापौर घनश्याम गुर्जर, प. जलेसिंह, सतीश यादव, रामावतार चौधरी, इन्द्र यादव, प्रेम पटेल, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, डॉ. अंजली यादव, देशराज खरेरा, रिंकी वर्मा सहित स्थानिय सरपंच, अनेक प्रबुध व्यक्ति, संबंधित उपखंड अधिकारी, विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक तथा बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

### पीएम सूर्य घर योजना से जुडकर उठाए लाभ बचत के साथ होगा पर्यावरण संरक्षण

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना से न केवल निर्बाध,नि:शुल्क बिजली मिलेगी बल्कि इससे पर्यावरण के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान भी रहेगा। उन्होने आमजन से आह्वान किया कि इस योजना का लाभ उठाने हेतु सर्वप्रथम अपना रजिस्ट्रेशन करावे।

### अमूल की तर्ज पर डेयरी सैक्टर को मजबूत करने, लखपति दीदी बनाने पर दिया जोर

उन्होंने कहा कि अलवर जिले के डेयरी सैक्टर को अमूल डेयरी की तर्ज पर विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन का लाभ जिले के किसान, पशुपालक उठाए व डेयरी प्रबंधन इसमें सहयोग करे। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके तथा आमजन को अच्छी क्वालिटी के प्रोडक्ट मिल सकेंगें। उन्होंने लखपति दीदी योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह माध्यम से जिले की महिलाओं को लखपति दीदी योजना का लाभ लेकर उन्हें लखपति बनाया जाने की दिशा में काम होगा। वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि केन्द्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा के माध्यम से अभिनव पहल की है। इससे आमजन की समस्या का मौके पर ही निदान होने के साथ क्षेत्र के विकास का खाका भी तैयार होगा। उन्होंने कहा कि यादव के सहयोग से अलवर सम्पूर्ण जिलें को ईआरसीपी योजना से जोडा गया, युवाओं को खेल व शिक्षा में समान अवसर देने के लिए अलवर सांसद खेल उत्सव व ई-लाईब्रेरी जैसे अभिनव नवाचार किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि यादव ने अलवर जिले को विभिन्न सौगातें दिलाई है।

### विभिन्न विभागों की लगी स्टॉल, दी योजनाओं की जानकारी

कार्यर्क म स्थल पर शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, विधुत विभाग, जलदाय विभाग, सरस डेयरी, राजीविका, युवा एवं कार्यर्क म मंत्रालय माई भारत, बैकिंग सेवाओं आदि की स्टॉल लगाई गई जिनमें केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। पृथ्वीपुरा में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से तीन दिव्यांग को ट्राई साईकिल भेंट की गई। वहीं मोहब्बतपुर में तीन दिव्यांग, बांबोली में दो एवं बुंटोली में 4 दिव्यांग को ट्राई साईकिल भेंट की गई। इसके साथ ही विभागीय अधिकारियों द्वारा मंच से अपने-अपने विभागों के प्रमुख योजनाओं की जानकारी आमजन को प्रदान की गई। ग्रामीणों ने अलवर सांसद की सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा कार्यर्क म की सराहना करते हुए कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि कोई सांसद क्षेत्र के गांव-गांव जाकर आमजन की समस्याओं को सुन रहे है और विकास के कार्यो को आगे बढाने पर चर्चा की जा रही है इससे आमजन में उत्साह का माहौल है।

### प्रत्येक गांव को 11-11 पौधे भेंट, हर ग्राम पंचायत में होगी पौधशाला

केन्द्रीय मंत्री यादव ने 'सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा' के प्रत्येक गांव के निवासियों को 11-11 पौधे भेंट कर कहा कि इन पौधों के साथ ग्रामवासी अपने तरफ से 111 और पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में पौधशाला बनाई जा रही है इसलिए नरेगा से दो श्रमिक भी उपलब्ध कराए जा रहे है।

### टी.बी. मुक्त गांव का दिलाया संकल्प

उन्होंने कहा कि अलवर जिलें को टी.बी. मुक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत योजना के तहत जिले कि 115 ग्राम पंचायतों को टी.बी. मुक्त घोषित किया गया है उन्होने कहा कि इस योजना के तहत मरीजों की जांच कर उनका रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है इस योजना के तहत प्रत्येक टी.बी. रोगी को प्रत्येक माह उनके खातो में 1000 रूपये डाले जा रहे है साथ ही पोषण किट आदि में प्रदान किये जा रहे है।

## पंजाब नैशनल बैंक, अलवर मंडल द्वारा बैंक का 131 वां स्थापना दिवस धूमधाम से संपन्न

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय, अलवर द्वारा बैंक का 131 वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंडल की अलवर, दोसा, कोटपूतली- बहरोड़ व खैरथल-तिजारा जिलों में स्थित 92 शाखाओं, मंडल कार्यालय अग्रणी बैंक कार्यालय इत्यादि में स्थापना दिवस के बैनर प्रदर्शित कर साजसज्जा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ वेद प्रकाश, उप मंडल प्रमुख द्वारा दीप प्रज्वलन व स्व. श्री लाला लाजपतराय जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर मंडल के स्टाफ सदस्यों द्वारा साइबर अपराध के प्रति जागरूकता के संदेश के साथ एक वाकाथन का आयोजन किया गया। इसके पश्चात वेद प्रकाश, उप मंडल प्रमुख, के एल मीणा मुख्य प्रबंधक ने सभी स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया और बैंक के संस्थापकों लाला लाजपत राय, लाला हरदयाल, सरदार दयाल सिंह मजीठिया, बाबू काली प्रसन्नोराय इत्यादि के योगदान का स्मरण किया गया। बैठक में सभी उच्चाधिकारियों द्वारा बैंक में डिजिटल को बढ़ावा देने, साइबर चुनौतियों से बचाव के उपाय व बैंक के अभूतपूर्व इतिहास की जानकारी दी गई। इसी क्रम में 60 फीट रोड पर स्थित प्रभा दिव्यांग विद्यालय में बैंक की ओर से सीएसआर में एक कंप्यूटर भेंट किया गया। इस कार्यर्क म में बैंक की ओर से के एल मीना, एच.एन.मीणा मुख्य प्रबंधकगण, सौरभ शर्मा, लक्ष्मी मीणा अधिकारीगण उपस्थित रहे। दोपहर में बिजली घर चौराहे पर विजन संस्थान के सहयोग से बैंक की ओर से जरूरतमंदों को भोजन वितरण कार्यर्क म में सौरभ शर्मा, मनीष गुप्ता व अनिल बंसल इत्यादि ने सराहनीय योगदान दिया। वेद प्रकाश उपमंडल प्रमुख ने बताया कि बैंक के 131 वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर मृतक उधारकर्ता एवं बेरोजगार शिक्षा ऋण लाभार्थियों के ऋण खातों के समायोजन हेतु विशेष एकमुश्त समझौता योजना शिविर का आयोजन भी 15 अप्रैल, मंगलवार को केशव नगर स्थित प्रशिक्षण संस्थान में किया जाएगा।

## सुआ लाल चौधरी चुने गये जिला जाट महासभा समिति के अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** जिला जाट महासभा की बैठक ग्राम डूमेडा, मन्दिर परिसर में समिति उपाध्यक्ष शेर सिंह चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सामाजिक समरता व समाज सुधार को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर अलवर जिला जाट महासभा चुनाव अधिकारी द्वारा जो चुनाव कराये गये थे। अलवर जिला जाट महासभा समिति की कार्यकारिणी के चुनाव की जानकारी दी गई। कार्यकारिणी में अध्यक्ष - सुवालाल चौधरी डूमेडा, उपाध्यक्ष- वीर सिंह बाम्बोली, महामंत्री- राजेश चौधरी, सहमंत्री - शिव नन्दन चौधरी, कोषाध्यक्ष - कृष्णपाल सिंह, सदस्य - (1) मूलचन्द चौधरी मालाखेडा, (2) नवीन कुमार चौधरी बनाये गये और सभी ने इस पर स्वीकृति जताई एवं नव निर्वाचित पदाधिकारियों का साफा बांध कर स्वागत किया। इस अवसर पर सर्व सम्मति से एक सलाहकार मण्डल का गठन किया गया। जिसमें संयोजक बलवीर सिंह छिल्लर, राजेन्द्र चौधरी गण्डूरा, नेमीचन्द चौधरी, शेरसिंह चौधरी, मनीष शास्त्री, मोरध्वज चौधरी सदस्य बनाये गये। बैठक में बेगराज चौधरी, सुवालाल चौधरी, नेकीराम मालाखेडा, महेन्द्र चौधरी, हरदयाल डूमेडा राजाराम बाम्बोली, हिम्मत चौधरी बाम्बोली, हिम्मत सिंह अध्यक्ष नगर पालिका मालखेडा, महेन्द्र चौधरी मिर्जापुर, होमसिंह जाट, कैलाश डूमेडा, मुन्नाराम, भगवान चौधरी बीजवाड नरूका एवं काफी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

## शहर में निकली अकबरपुर बगीची वाले हनुमान जी की शोभायात्रा, देखने उमडे शहरवासी

### हनुमान जन्मोत्सव पर जिलेभर में हुए अनेक धार्मिक आयोजन, पूरा शहर डूबा हनुमानजी की भक्ति में

### श्रद्धालुओं ने मंदिरों में मांगी सभी के लिए सुख शांति की कामना

जयपुर टाइम्स

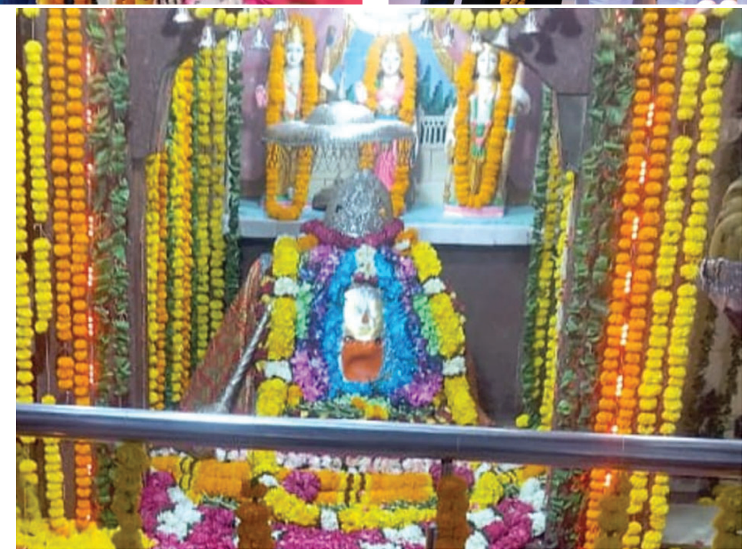

**अलवर(निसं.)** चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा पर शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव पर जिलेभर में अनेक धार्मिक आयोजन हुए। जिसके चलते पूरा जिला ओर शहर हनुमान की भक्ति की रसधारामय बन गया। हनुमान जन्मोत्सव पर अकबरपुर बगीची वाले हनुमान जी की अलवर शहर के केडलगंज में हनुमान मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। पूरे गाजे-बाजे के साथ निकली हनुमान जी की शोभायात्रा को देख पूरा शहर हनुमान की भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा को देखने पूरा शहर उमड पडा। अलवर सांसद ओर केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव, शहर विधायक व वन राज्य मंत्री संजय शर्मा तथा महंत जितेन्द्र खेडापति ने सुबह 9 बजे हनुमान जी आरती कर हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया। शोभाायात्रा में जहां अनेक झांकियां ओर ध्वज लेकर चल रहे भक्तजन तथा शिव जी के नृत्य ओर हनुमान जी की जीवंत झांकियों ने तो दर्शकों का मन मोह लिया। ध्वज लेकर चल रहे भक्तजन जय श्रीराम, जय हनुमान के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। वहीं डीजे पर चल रहे भजन ओर बैण्ड बाजे की धुन ने तो पूरे अलवर शहर के वातावरण को भक्त की सुगंध में सभी को आनन्दित कर दिया। पूरे रास्ते भर में भी सेवकों ओर भक्तजनों की ओर से फूल बरसाकर शोभायात्रा का स्वागत किया ओर जगह जगह शीतल व मीठे जल की प्याऊ लगाकर पुण्य लाभ दिया। वहीं जगह जगह ध्वज लेकर चल रहे भक्तों के लिए रास्ते में सेवकों ने नाश्ता पानी की व्यवस्था भी की। अकबरपुर बगीची हनुमान मंदिर पहुंची शोभायात्रा के बाद हनुमानजी की महाआरती कर प्रसादी में सभी भक्तजनों को पंगत में बिठाकर प्रसाद खिलाया। भक्तों ने भी मंदिर में धोक लगाकर हनुमान जी से सभी के लिए सुखशांति की कामना की। इसी के साथ जयंती उत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। वहीं श्री हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में हजूरीगेट स्थित श्री श्री 1008 डण्डे वाले हनुमान जी महाराज का पांच दिवसीय जन्मोत्सव शनिवार को बडे ही धूमधाम के साथ मनाया गया। मंदिर के महंत पंडित कुणाल शर्मा ने बताया कि हजूरीगेट स्थित श्री श्री 1008 डण्डे वाले हनुमान जी महाराज का जन्मोत्सव 8 अप्रेल से शुरु हुआ, जहां प्रथम दिन 8 अप्रेल मंगलवार को मंदिर में प्रात दस बजे श्रीरामचरित मानस के पाठ शुरु हुए, जिनका समापन शनिवार को हुआ। इसके बाद शनिवार को प्रात दस बजे हवन-यज्ञ हुआ ओर दोपहर को महिला मंडल की ओर से भजन-संकीर्तन किए गए। इसके बाद शाम सवा 7 बजे महाआरती की गई। इसी के साथ मंदिर में प्रसाद वितरित किया गया। रात को भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें अलवर के यातीनाम कलाकारों ने बाबा का गुणगान किया। इसके साथ ही शहर में अनेक हनुमान मंदिरों में भी धार्मिक आयोजन हुए। जेल चौराहा स्थित हनुमान मंदिर में भक्तों ने सुन्दरकाण्ड के पाठ किए तो मुंशी बाजार में संगीतमय हनुमान जी के पाठ किए। भक्त सिंह चौराहा स्थित हनुमान मंदिर सहित अनेक मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ किए ओर ज्योत देखी गई। भक्तनों ने भी मंदिर पहुंचकर सभी के लिए सुख शांति ओर समृधि की कामना की।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, रविवार
13 अप्रेल, 2025

# पीएचईडी मंत्री ने ली उदयपुर, राजसमंद और सलूम्बर के अधिकारियों की बैठक

**पेयजल आपूर्ति और समर प्लान की समीक्षा कर दिए निर्देश**

**पानी और पैसे की कमी नहीं, अधिकारी बेहतर प्रबंधन कर आमजन को पेयजल उपलब्ध कराएं- जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री**

**जल जीवन मिशन सहित अन्य परियोजनाओं में लंबित कार्यों पर जताई नाराजगी**

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू जल विभाग के मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार हर व्यक्ति को शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। उदयपुर में पानी की कोई कमी नहीं है और पेयजल प्रबंधन के लिए बजट भी पर्याप्त है। अधिकारी बेहतर प्रबंधन कर आमजन को पानी उपलब्ध कराएं। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जलदाय मंत्री शनिवार को उदयपुर जिला परिषद सभागार में उदयपुर, राजसमंद और सलूम्बर जिलों में पेयजल योजनाओं तथा समर प्लान की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में गर्मी तेज होने के साथ ही सतही जल स्रोतों में पानी की कमी होगी तथा भूजल स्तर भी नीचे जायेगा। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए समर प्लान बनाकर कंटीजेंसी में बजट उपलब्ध करा दिया गया है। अधिकारी व्यवस्थाएं दुरस्त रखते हुए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने हैंडपंप और नलकूप के स्वीकृत कार्य अविलम्ब पूरे कराने के लिए पाबंद किया। साथ ही, विभागीय योजनाओं, बजट घोषणाओं आदि की भी बिन्दूवार जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

### जल जीवन मिशन के कार्यों को पूरा कराएं

मंत्री चौधरी ने उदयपुर, राजसमंद और सलूम्बर जिलों के अधिकारियों से जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति जानी। उन्होंने धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जल्द से जल्द काम पूर्ण कराने के निर्देश दिए। चर्चा के दौरान अवैध कनेक्शन का जिक्र आने पर मंत्री ने ऐसे सभी कनेक्शन कटवाने तथा संबंधितों के खिलाफ ठोस कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने जल जीवन मिशन में जिन ठेकेदारों की ओर से अपेक्षित काम नहीं किए जा रहे उनके खिलाफ भी सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने मिशन के तहत पूर्ण हुए कार्यों को ग्राम स्तरीय समितियां बनाकर हस्तांतरित किए जाने के संबंध में जल्द दिशा-निर्देश जारी किए जाने की बात कही।

### विधायकों से लिया फीडबैक, अधिकारियों को हिदायत

बैठक में विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्र की पेयजल समस्याओं, जल जीवन मिशन के कामों की जमीनी हकीकत और पेयजल परियोजनाओं की स्थिति आदि की विस्तृत जानकारी दी। जलदाय मंत्री ने एक-एक क्षेत्र के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब किया तथा न्यून प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पूर्ण गंभीरता से काम करने की हिदायत दी। साथ ही, तकनीकी समस्याओं पर मुख्यालय स्तर पर त्वरित समाधान के लिए भी आश्वस्त किया। बैठक में विधायकों ने कुछ विभागीय अधिकारियों के व्यवहार को लेकर भी शिकायतें की। इस पर चौधरी ने नाराजगी प्रकट की। उन्होंने कहा कि काम के दौरान समस्याएं आती हैं। परेशानी होने पर लोगों की नाराजगी भी जायज है, लेकिन यदि अधिकारी उन्हें संतोषप्रद जवाब दें तो आधी समस्या खत्म हो जाती है। उन्होंने अधिकारियों को आमजन तथा जनप्रतिनिधियों के प्रति व्यवहार में सुधार लाने के नसीहत दी। साथ ही, शिकायत की पुनरावृत्ति पर कार्यवाही के लिए भी चेताया। बैठक में उदयपुर शहर विधायक श्री ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक श्री फूलसिंह मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, राजसमंद विधायक ी दीप्ति किरण माहेश्वरी, नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह, मावली विधायक पुष्कर डांगी, सलूम्बर विधायक शांता देवी, उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली, संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी, उदयपुर जिला कलक्टर नमित मेहता, राजसमंद जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा सहित पीएचईडी के उदयपुर, राजसमंद व सलूम्बर के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## राजस्थान में मौसम का बदलता मिजाजः जयपुर में बारिश, जोधपुर-फलोदी में आंधी; हीटवेव अलर्ट भी जारी

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** शनिवार को राजस्थान के कई हिस्सों में मौसम ने करवट ली। राजधानी जयपुर में आकाशीय बिजली की गड़गड़ाहट के साथ बारिश हुई, वहीं जोधपुर और फलोदी में तेज आंधी चली और आसमान में बादल छा गए। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद अब गर्म हवाएं लौटेंगी और लू का प्रकोप बढ़ेगा। बीकानेर और जोधपुर संभाग में अगले दो-तीन दिनों में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। सिरोही में शुक्रवार रात आई आंधी के दौरान एक दर्दनाक हादसा हुआ। शिवगंज क्षेत्र में नीम का पेड़ गिरने से 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई। वहीं उदयपुर में आंधी के दौरान पेड़ गिरने से राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया की प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई। पिछले 24 घंटे में प्रदेश का सबसे अधिक तापमान फलोदी में 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि बाड़मेर 40.7, चित्तौड़गढ़ 40.3 और कोटा 39.8 डिग्री के साथ गर्म रहे। वहीं न्यूनतम तापमान में गिरावट देखी गई। हनुमानगढ़ में सबसे कम 15.7 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने पश्चिमी और उत्तरी राजस्थान के 9 जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। जैसलमेर-बाड़मेर में अगले 2-3 दिन लू की गंभीर स्थिति बनी रह सकती है। जयपुर, सीकर, अलवर, टोंक सहित कई जिलों में भी हीटवेव की चेतावनी दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार आज से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में गर्मी दोबारा जोर पकड़ सकती है। दिन का तापमान सामान्य के आसपास रहने की संभावना है, लेकिन दोपहर में तेज धूप और गर्म हवाओं से सतर्क रहने की जरूरत है।

## जयपुर में "खटखट गैंग" का पर्दाफाश, 2 बदमाश गिरफ्तार, 6 से ज्यादा वारदातों का कबूला

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** जयपुर के विश्वकर्मा थाना पुलिस ने शनिवार को "खटखट गैंग" के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। दोनों बदमाशों ने जयपुर में 6 से ज्यादा वारदातों को अंजाम देने की बात कबूली है। पुलिस अब गिरोह के अन्य तीन सदस्यों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि गैंग बेहद शातिर तरीके से वारदात करती थी। ये लोग गाड़ी चालकों का ध्यान भटकाकर कीमती सामान और नकदी से भरे बैग चुरा लेते थे। गिरोह के सदस्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में पहले रैकी करते थे। यदि किसी कार में बैग या अटैची दिखती, तो गाड़ी के बोनट पर जानबूझकर ऑयल डाल दिया जाता। इसके बाद वाहन मालिक को बताया जाता कि गाड़ी से ऑयल लीक हो रहा है। जैसे ही वह बाहर आता, गैंग का दूसरा सदस्य कार से बैग लेकर फरार हो जाता। 31 मार्च और 1 अप्रैल को गैंग ने करधनी, विद्याधर नगर, शिप्रापथ और वीकेआई इलाके में इसी तरह की कई वारदातें कीं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की, जिसने घटनास्थलों के 150 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले, साथ ही तकनीकी विश्लेषण और मुखबिरों की सूचना के आधार पर दो बदमाशों को डिटेन कर पूछताछ की। गिरफ्तार आरोपियों ने खुलासा किया कि गैंग में 5 सदस्य हैं। वे कभी गाड़ियों पर ऑयल गिराकर ध्यान भटकाते, तो कभी गुलेल से शीशा तोड़कर सीट पर रखे बैग चुरा लेते थे। गैंग एक जगह पर रुककर लगातार कई वारदातें अंजाम देती थी। फिलहाल पुलिस गैंग के बाकी सदस्यों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है और जल्द ही पूरे गिरोह को बेनकाब करने की तैयारी कर रही है।

## जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा में कड़ी सुरक्षा, बूंदी में मधुमक्खियों का हमला, महिला अभ्यर्थी को बच्चा गोद में लेकर दौड़ना पड़ा, नहीं मिला प्रवेश

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)** शनिवार को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित *जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा में लाखों अभ्यर्थियों ने भाग लिया। प्रदेशभर के 38 जिलों में बने 1278 परीक्षा केंद्रों पर दो पारियों में परीक्षा आयोजित की गई। कुल 803 पदों के लिए हो रही इस भर्ती में करीब 8.20 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए, जिससे हर पद पर औसतन 1022 अभ्यर्थियों के बीच मुकाबला हुआ। परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त रही। कोटा सहित कई केंद्रों पर अभ्यर्थियों से हाथ का कड़ा, गले की माला, रुद्राक्ष, पैंट की जिप और हुक तक उतरवाए गए। कोटा के एक सेंटर पर अभ्यर्थी को पैंट उतारनी पड़ी, वहीं कई अन्य छात्र पास की दुकानों से हुक-जिप हटवाते नजर आए। झुंझुनूं में एक महिला अभ्यर्थी बच्चा गोद में लेकर केंद्र पहुंची, लेकिन 5 मिनट की देरी के कारण उसे प्रवेश नहीं दिया गया। महिला ने बताया कि वह गलती से पहले किसी और केंद्र चली गई थी, पर SOP के चलते पुलिसकर्मी अड़े रहे। बूंदी में सर्वोदय टीटी कॉलेज सेंटर पर एक अप्रत्याशित घटना घटी। सुबह परीक्षा शुरू होने से पहले मधुमक्खियों ने अभ्यर्थियों पर हमला कर दिया, जिससे 24 परीक्षार्थी घायल हो गए। लीलेड़ा निवासी सोनिया गुर्जर (21) को गंभीर हालत में ह्रष्ट में भर्ती कराना पड़ा। सोनिया ने हमले के बावजूद परीक्षा देने की कोशिश की, पर 20 प्रश्न हल करने के बाद वह बेहोश हो गईं। अजमेर में भी अभ्यर्थियों ने हंगामा किया, जब उन्हें रूम में 9.30 बजे से पहले प्रवेश नहीं दिया गया। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत करवाया। जयपुर में सर्वाधिक 176 परीक्षा केंद्र बनाए गए, जहां दोनों पारियों में करीब 1.24 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। जोधपुर में 114 और कोटा में 58 सेंटरों पर परीक्षा हुई। करौली में केवल 7 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। कोटा के कई सेंटरों पर मेटल डिटेक्टर से जांच और CCTV निगरानी की व्यवस्था की गई थी। शौचालय में ड्रेस चेंज करने पर पैसे मांगने की शिकायत पर पुलिस ने कर्मचारियों को चेतावनी दी। यह परीक्षा नकल रोकने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रही, जिसे प्रशासन ने सख्ती से संभाला।

## प्रत्येक बूथ तक हो स्थापना दिवस के कार्यक्रमः गहलोत

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनूं(निस)।** भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस सप्ताह समारोह को लेकर कार्यक्रम के संभाग प्रभारी पार्टी के पूर्व प्रदेश महामंत्री राजेंद्र कुमार गहलोत ने झुंझुनू सर्किट हाउस में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक ली, जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी ने की। राजेंद्र कुमार गहलोत ने कार्यकर्ताओं को पार्टी स्थापना सेवा सप्ताह में विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए पूर्व में किए हुए कार्यक्रमों का फीडबैक भी लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रत्येक बूथ पर स्थापना दिवस के कार्यक्रम करने के निर्देश भी दिए। भाजपा ज़िलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी ने स्वागत भाषण में 6 अप्रेल से लगातार जिला भाजपा की ओर से किए गए कार्यक्रमों की जानकारी रखी। विधायक राजेंद्र भाम्भू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश आगे बढ़ रहा है। आज मोदी की कार्यशैली से भारत ने विश्व में नाम कमाया है। कार्यक्रम जिला संयोजक प्यारेलाल ढुकिया ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापित नगर मण्डल अध्यक्ष व जिला प्रवक्ता कमल कान्त शर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री सरजीत चौधरी,भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुशीला सीगड़ा, शेर सिंह निरवान, जिला मंत्री महेंद्र चंदवा, सुनीता स्वामी ,सोशल मीडिया जिला संयोजक पार्षद चंद्र प्रकाश शुक्ला, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सावित्री सैनी, एस सी मोर्चा मंडल अध्यक्ष हरीश गोयल, भाजपा नगर उपाध्यक्ष महेंद्र सोनी, जगदीश गोस्वामी, मुकेश पातुसारी, महेश जीनगर, बाबूलाल माहिच सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## सेवा सप्ताह के तहत शरबत वितरण, रात्रि चौपाल का आयोजन किया

जयपुर टाईम्स

**चाकसू(निसं.)** चाकसू कस्बे में प्रदेश नेतृत्व एवं जयपुर जिला देहात दक्षिण के ऊर्जावान जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी के सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत शिवदासपुरा मंडल में मुख्य अथिति रामावतार बैरवा विधायक चाकसू, विशिष्ट अतिथि कैलाश शर्मा पूर्व कृषि मंडी चाकसू चेयरमैन, मंडल प्रभारी अमित बाहेती एडवोकेट एवं मंडल अध्यक्ष ज्ञानचंद मीणा, कार्यक्रम के संयोजक विशाल बिजारणीया और सहसंयोजक दिनेश बाजड़ोली, विनोद मीणा की अध्यक्षता में बूथ संख्या 133, 134, 135, 145 शिवदासपुरा में आयोजित किया गया। सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कार्यकर्ताओं के घर पर भारतीय जनता पार्टी का झंडा लगाया गया। सेवा सप्ताह के रूप में मनाते हुए कार्यकर्ताओ द्वारा मंदिर में साफ सफाई की गई। तथा सफाई रखने का संकल्प लिया। सेवा सप्ताह के तहत शरबत वितरण किया गया तथा रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मंडल प्रभारी अमित बाहेती एडवोकेट, संयोजक विशाल बिजारणिया ने कार्यकताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

## मंगलवार को आएंगे राज्यपाल हरिभाऊ बागडे

जयपुर टाइम्स

**बीकानेर(निसं.)।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे 15 अप्रैल (मंगलवार) को प्रातः 11 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से प्रातः 11.10 बजे महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के लिए प्रस्थान करेंगे तथा विश्वविद्यालय के मीराबाई ऑडिटोरियम में प्रातः 11.30 बजे से आयोजित होने वाले राजस्थान पशु विज्ञान और पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगे। राज्यपाल दोपहर 3 बजे महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी निभाएंगे। राज्यपाल बागडे दोपहर 3.45 बजे नाल एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 3.55 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे तथा यहां से वायुमार्ग द्वारा जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। राज्यपाल के प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने विभिन्न अधिकारियों को कार्य प्रभारी अधिकारी नियुक्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक अधिकारी समय रहते सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन)रामावतार कुमावत राज्यपाल की संपूर्ण यात्रा की व्यवस्था के ओवरऑल प्रभारी अधिकारी होंगे।

# मंत्री सुमित गोदारा ने की जनसुनवाई, निस्तारण के दिए निर्देश

**विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत विभिन्न कार्यों की अभिशंसा**

जयपुर टाइम्स

**बीकानेर(निसं.)।** खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने शनिवार को सरदुलगंज स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई की। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीणों ने मंत्री गोदारा के समक्ष पानी, बिजली, सड़क, अतिक्रमण हटाने, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों में रिक्त पदों पर कार्मिकों की नियुक्ति सहित अनेक परिवाद रखे। मंत्री गोदारा ने संबंधित अधिकारियों को दूरभाष से आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। गोदारा ने कहा कि प्रदेश की संवेदनशील सरकार आमजन के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं और कार्यक्रम चला रही है। प्रत्येक पात्र व्यक्ति इनका लाभ ले, जिससे सरकार की मंशा के अनुसार सभी को समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ऐतिहासिक बजट ने आमजन को अनेक सौगातें दी हैं। इनका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके लिए प्रभारी मंत्रियों सहित अधिकारियों द्वारा नियमित समीक्षा की जा रही है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री तथा लूणकरणसर विधायक सुमित गोदारा ने विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत 69.17 लाख रुपए के कार्यों की अभिशंसा की है। गोदारा ने बताया कि राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जोगियासन में टीन शेड और शौचालय निर्माण के लिए लागत 7.50 लाख, लूणकरणसर की मंडी आवासीय कॉलोनी के सेक्टर न. 3 में झूले लगाने के कार्य के लिए 3 लाख, कालवास गांव में भ्रमण पथ व मंजिया बेंच निर्माण के लिए 5.95 लाख, लूणकरणसर में भार्गव समाज की श्मशान भूमि में टीन शेड का निर्माण के लिए 4.95 लाख, लूणकरणसर के वार्ड नंबर 28 कुम्हार समाज श्मशान भूमि में टीन शेड निर्माण कार्य के लिए 4.95 लाख, लूणकरणसर के वार्ड नंबर 36 में नाई समाज सामुदायिक भवन निर्माण व झूले लगाने के कार्य के लिए 6.95 रुपए की अभिशंसा की गई है। श्री गोदारा ने बताया कि लूणकरणसर गणगौर मैदान में मुख्य द्वार निर्माण, मरम्मत व रंग रोगन कार्य के लिए 14.90 लाख तथा लूणकरणसर के वार्ड नंबर 7 में ब्राह्मण समाज सामुदायिक भवन में टीन शेड निर्माण, सोलर संचालित लाईट लगाने व अन्य विकास कार्य-20.97 लाख रुपए की अभिशंसा की गई है।

## राज्यपाल ने दक्षिणमुखी बालाजी मंदिर हाथोज धाम में आरती में भाग लिया

जयपुर टाईम्स

**जयपुर(कासं.)।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शनिवार को दक्षिणमुखी बालाजी मंदिर हाथोज धाम पहुंचे। उन्होंने वहां हनुमान जन्मोत्सव पर आयोजित आरती में भाग लिया। उन्होंने बालाजी के दर्शन कर विधिवत पूजा अर्चना की और बालाजी की आरती उतारी। मंदिर पहुँचने पर विधायक बालमुकुंदाचार्य ने राज्यपाल का दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनन्दन किया।

# पूर्ण साक्षरता का सपना

> शिक्षा ऐसी ही चीज है। यह मानव विकास के लिए काफी अहम पैमाना है। शिक्षा लोगों के रहन-सहन को ही शिष्ट नहीं बनाती, उन्हें सोचने-समझने में भी अधिक समर्थ बनाती है औरउन्नति तथा समृद्धि की ओर भी ले जाती है। शिक्षा की इस भूमिका को समझते हुए कई देशों ने बीसवीं सदी में ही पूर्ण साक्षरता के लक्ष्य को पा लिया और अपने समाज में शिक्षा के औसत स्तर को भी ऊपर उठाया। लेकिन भारत अब भी पूर्ण साक्षर नहीं हो सका है। क्या 'सौ फीसद साक्षर भारत' की मुहिम छेड़ी गई? प्रत्येक दस वर्ष पर साक्षरता दर में कुछ फीसद के इजाफे से हम खुश हो जाते हैं। देश की तीन चौथाई आबादी साक्षर है, यह जान कर भी बेहद खुशी होती है। लेकिन एक चौथाई आबादी अब भी निरक्षर है, तालीम की रोशनी के बिना ही गुजर-बसर करने को बेबस है। इनके लिए क्या हमने कोई आंदोलन चलाया? कोई व्यापक लड़ाई लड़ी? एक तरफ हम ज्ञान आधारित समाज की बात करते हैं

कई देशों ने बीसवीं सदी में ही संपूर्ण साक्षरता के लक्ष्य को पा लिया और अपने समाज में शिक्षा के औसत स्तर को भी ऊपर उठाया। लेकिन भारत अब भी पूर्ण साक्षर नहीं हो सका है। एक तरफ हम ज्ञान आधारित समाज और डिजिटल इंडिया की बात करते हैं, लेकिन इस कड़वी सच्चाई को नजरअंदाज कर जाते हैं कि साक्षरता और शिक्षा के लिहाज से हमारे समाज की तस्वीर कैसी है।

हम अक्सर ही देखते हैं कि जब कोई समस्या देश और समाज के लिए नासूर बन जाती है तो हमारी सरकारें उसे जड़ से खत्म करने के लिए व्यापक स्तर पर एक मुहिम छेड़ती हैं ताकि हमें उससे पूरी तरह निजात मिल सके। उदाहरण के तौर पर पोलियो की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए जब अखिल भारतीय मुहिम छेड़ी गई। फलस्वरूप आज भारत पोलियो-मुक्त हो चुका है। हाल ही में मोदी सरकार ने काले धन को जड़ से खत्म करने के लिए नोटबंदी कराई और देश में नकदी विहीन लेन-देन का अभियान चलाया। इसी प्रकार देश को साफ-सुथरा बनाने केलिए 'स्वच्छ भारत अभियान' शुरू किया गया और पूरे देश में इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। हालांकि इन दोनों ही योजनाओं में सरकार अभी पूरी तरह सफल नहीं हो पाई है। लेकिन महत्त्वपूर्ण यह है कि एक मुहिम शुरू तो की गई। ऐसे और भी कई मसले हैं जो देश में व्यापक जन-जागरूकता के अभियान की मांग करते हैं जिसमें सरकार तो शामिल हो ही, समाज की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी हो।

शिक्षा ऐसी ही चीज है। यह मानव विकास के लिए काफी अहम पैमाना है। शिक्षा लोगों के रहन-सहन को ही शिष्ट नहीं बनाती, उन्हें सोचने-समझने में भी अधिक समर्थ बनाती है औरउन्नति तथा समृद्धि की ओर भी ले जाती है। शिक्षा की इस भूमिका को समझते हुए कई देशों ने बीसवीं सदी में ही पूर्ण साक्षरता के लक्ष्य को पा लिया और अपने समाज में शिक्षा के औसत स्तर को भी ऊपर उठाया। लेकिन भारत अब भी पूर्ण साक्षर नहीं हो सका है। क्या 'सौ फीसद साक्षर भारत' की मुहिम छेड़ी गई? प्रत्येक दस वर्ष पर साक्षरता दर में कुछ फीसद के इजाफे से हम खुश हो जाते हैं। देश की तीन चौथाई आबादी साक्षर है, यह जान कर भी बेहद खुशी होती है। लेकिन एक चौथाई आबादी अब भी निरक्षर है, तालीम की रोशनी के बिना ही गुजर-बसर करने को बेबस है। इनके लिए क्या हमने कोई आंदोलन चलाया? कोई व्यापक लड़ाई लड़ी? एक तरफ हम ज्ञान आधारित समाज की बात करते हैं, डिजिटल इंडिया की बात करते हैं, लेकिन इस कड़वी सच्चाई को नजरअंदाज कर जाते हैं कि साक्षरता और शिक्षा के लिहाज से हमारे समाज की तस्वीर कैसी है। कहने का तात्पर्य है कि जब बदलते भारत में भी एक बहुत बड़ी आबादी शिक्षा जैसे मूलभूत अधिकार से वंचित हो तो यकीनन देश के विकास के हिस्सेदार ये बदनसीब लोग नहीं हो सकते। देश की यही स्थिति भारत और इंडिया में फर्क करने की जरूरत भी महसूस करवाती है। हमें यह समझना होगा कि जिस विकास का ढोल हमारी सरकारें पीटती आ रही हैं वह तथाकथित विकास शिक्षा के अभाव में अधूरा है। संयुक्त राष्ट्र कहता है कि मानव विकास के जो भी पैमाने हैं उनमें शिक्षा काफी अहम है। हालिया मानव विकास सूचकांक में भारत को पिछड़ा हुआ बताया गया है और 131वें पायदान पर रखा गया है जो साफ तौर से इशारा करता है कि शिक्षा के मामले में भी हम दुनिया के 130 देशों से पीछे हैं। यहां तक कि मालदीव और श्रीलंका जैसे देश हमसे बेहतर स्थिति में हैं। यदि सौ फीसद साक्षरता की बात करें तो कई ऐसे देश हैं जो इस क्लब में शामिल हो चुके हैं। फिनलैंड, नार्वे, अजरबैजान, रूस कुछ ऐसे ही उदाहरण हैं। लिहाजा, यह सवाल मुमकिन है कि हम अमेरिका जैसी महाशक्ति बनने की बात तो करते हैं लेकिन क्या ये लक्ष्य निरक्षरों की इतनी बड़ी जमात के साथ हासिल करेंगे? हालत यह है कि हम अजरबैजान जैसे देश की बराबरी नहीं कर पा रहे हैं, फिर अमेरिका की बराबरी कैसे करेंगे! पूर्ण साक्षरता वाले देशों में फिनलैंड की बात करें तो वहां की असाधारण शिक्षा-प्रणाली भारत से बिल्कुल अलग है। मसलन, बच्चे ज्यादा दिन तक बच्चे रहते हैं यानी सात वर्ष की उम्र में स्कूल में दाखिला लेते हैं जबकि भारत में तीन वर्ष की उम्र में ही दाखिले की होड़ लगी रहती है। फिनलैंड में निजी कॉलेज नहीं होते जबकि हमारे यहां निजी कॉलेज और अब निजी विश्वविद्यालय भी कुकुरमुत्तों की तरह फैलते जा रहे हैं। इसकारण शिक्षा-सुविधा गरीबों के बूते से बाहर होती जा रही है। आए दिन इन निजी संस्थानों की मनमानी की खबरें मिलती रहती हैं। इनकी बेहिसाब फीस पूर्ण साक्षर भारत और ज्ञान आधारित समाज की राह में सबसे बड़ी बाधा है। इससे इतर, फिनलैंड के बच्चों पर होमवर्क का बोझ भी नहीं डाला जाता। एक अध्ययन के मुताबिक वहां के किशोर एक हफ्ते में औसतन 2.8 घंटे ही होमवर्क करते हैं, लेकिन हमारे स्कूलों में पुस्तक और होमवर्क का बोझ बढ़ती कक्षा के साथ बढ़ता रहता है। बीच में ही पढ़ाई-लिखाई छोड़ने की यह भी एक वजह है। इस समस्या को लेकर अभिभावक भी खासे चिंतित रहते हैं लेकिन हालत यह है कि इनकी सुनने वाला कोई नहीं है।

इसके अलावा हमारे यहां अंक प्रणाली भी एक बड़ी समस्या है। फिनलैंड जैसे देश में बच्चों के प्रदर्शन पर केवल फीडबैक दिया जाता है जिससे बच्चों में तनाव जैसी समस्या नहीं पनपती। लेकिन यहां की अंक प्रणाली या ग्रेड सिस्टम के कारण जो तनाव पैदा होता है उसकी परिणति हमें आत्महत्या में देखने को मिलती है। आए दिन खराब परीक्षा परिणाम के कारण विद्यार्थियों की आत्महत्या के समाचार मिलते रहते हैं।

साक्षरता के मापदंड पर भी विचार करने की जरूरत है। भारत सरकार की मानें तो केवल पढ़ने और लिखने वाले को साक्षरता के दायरे में लिया जा सकता है। लिहाजा, इसके लिए कोई स्पष्ट पैमाना नहीं है। हमारे नीति नियंताओं को समझना होगा कि केवल पढ़ना और लिखना आ जाने से जीवन-स्तर बेहतर नहीं हो सकता। बेहतरीन तौर-तरीके इंसान तभी सीखता है जब वह पढ़ाई का अच्छा-खासा सफर तय करता है, क्योंकि पढ़ लेने और हस्ताक्षर कर लेने भर की सलाहियत लोग अधेड़ उम्र में भी सीख लेते हैं, लेकिन उससे उनकी जिंदगी में साक्षर नागरिक वाली महक नहीं आ पाती। फिर ऐसी साक्षरता भला किस काम की? लिहाजा, सरकार को आठवीं या दसवीं तक का एक पैमाना तय करना चाहिए, जिसे प्राप्त करने वालों को ही साक्षर समझा जाएगा। इससे लोगों में कम से कम उतनी शिक्षा प्राप्त करने की एक मानसिकता पैदा हो सकेगी।

बहरहाल, पूर्ण साक्षरता के लक्ष्य को हासिल करने के लिए शिक्षा को आमजन तक पहुंचाने के प्रयास को युद्ध-स्तर पर कार्यान्वित करने की आवश्यकता है। केवल नारों के बजाय जमीनी हकीकत को समझ कर, हल ढूंढ़ना होगा। यूनेस्को की मानें तो 2014 में जहां फिनलैंड अपने जीडीपी का 7.2 फीसद शिक्षा पर खर्च करता था, वहीं भारत अपने जीडीपी का महज 3.8 फीसद शिक्षा पर खर्च कर पाया। लिहाजा, भारत सरकार को और इच्छाशक्ति दिखाने की जरूरत है।

## सम्पादकीय

# रिजर्व बैंक ने महंगाई चार फीसद पर रहने का लगाया अनुमान

भारतीय रिजर्व बैंक ने बाजार अनुमानों के मुताबिक रेपो दर में पच्चीस आधार अंक की कटौती कर दी है। करीब पांच वर्षों तक रेपो दर में कोई कटौती नहीं की गई थी। फरवरी में पच्चीस आधार अंक की कटौती की गई थी। यह दूसरी कटौती है। इससे बाजार में पूंजी का प्रवाह बढ़ने और भवन, वाहन, कारोबार आदि के लिए कर्ज लेने वालों पर ब्याज का बोझ कम होने का रास्ता आसान हो गया है। रिजर्व बैंक यह फैसला इसलिए कर पाया कि इस वक्त अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें काफी नीचे आ गई हैं, गेहूं और दालों का अच्छा उत्पादन हुआ है, खुदरा महंगाई का रुख नीचे की तरफ है। आगे भी महंगाई के नीचे रहने का अनुमान है। रिजर्व बैंक ने महंगाई चार फीसद पर रहने का अनुमान लगाया है। रिजर्व बैंक का लक्ष्य भी यही था कि महंगाई को चार फीसद के आसपास रखा जा सके। इसलिए अब उसने अपना ध्यान विकास दर पर केंद्रित कर दिया है। फिलहाल विकास दर साढ़े छह फीसद पर रहने का अनुमान है। जिस तरह अमेरिकी शुल्क नीति के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत के लिए अपना सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी हो गया है। इस वक्त अच्छी बात है कि विनिर्माण क्षेत्र में सुधार नजर आ रहा है, जो चिंताजनक स्तर तक गोते लगा चुका था। विनिर्माण क्षेत्र के कमजोर होने का असर सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ता है। यह क्षेत्र इसलिए कमजोर पड़ा हुआ था कि महंगाई आम लोगों की सहनशक्ति से ऊपर चली गई थी और उन्होंने अपने दैनिक उपभोग में कटौती करनी शुरू कर दी थी। अब महंगाई घटी है, तो स्वाभाविक रूप से उपभोग का स्तर उठेगा, जिससे विनिर्माण क्षेत्र को बल मिलेगा। रेपो दर कम होने से ब्याज दरों में कमी आती है। इसका लाभ कर्ज लेने वालों को तो मिलता है, पर बचत खाते आदि में पैसा जमा कराने वालों को नुकसान होता है। हालांकि जिन लोगों के पास पूंजी अधिक है, वे लंबी अवधि की योजनाओं में जमा कर अधिक ब्याज का लाभ ले सकते हैं। सबसे अधिक राहत वाहन, भवन, कारोबार आदि के लिए कर्ज लेने वालों को महसूस होती है, पर बैंक चूंकि लंबे समय से कारोबारी शिथिलता से जूझ रहे हैं, वे रेपो दर में पच्चीस आधार की कटौती का लाभ तुरंत अपने ग्राहकों को देना शुरू कर देंगे, कहना मुश्किल है। इस वक्त जिस तरह विश्व बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, निर्यात में और कमी आने की चिंता बढ़ गई है। पहले ही निर्यात के मामले में संतोषजनक वृद्धि नहीं हो पा रही थी, कई देशों के साथ व्यापार घाटा चिंताजनक दर से बढ़ रहा था, उसमें घरेलू बाजार को मजबूत करने पर बल देना होगा। रिजर्व बैंक का कहना है कि बाजार में अतिरिक्त पूंजी प्रवाह बढ़ाया जाएगा, इससे विनिर्माण क्षेत्र को बल मिलेगा, मगर खपत बढ़ाना फिर भी बड़ी चुनौती रहेगी।

# कर्ज का चक्रव्यूह

यू कर्ज लेने की हिदायतों की कहानी तो बचपन के विद्यालयीन पाठ्यचर्चा से लेकर घर के बड़े बुजुर्गों की जबानी सुनते आए हैं। लेकिन दो मिनट की मैगी से लेकर छोटे-छोटे रील में जीवन की अभिप्रेरणा का आनंद तलाश लेने वाली युवा पीढ़ी के पाले में सब्र नामक शालीनता कहां है? सब जगह संक्षिप्त या छोटा रास्ता। रोटी, कपड़ा और मकान की जरूरत नैतिक रूप से बड़ी जरूरतें मान सकते हैं। खासकर मकान के निर्माण या गाड़ियों के लिए कर्ज की अवधारणा को जायज मान भी लिया जा सकता है। लेकिन आजकल घर की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी लोग क्रेडिट कार्ड या तत्काल ऋण के भरोसे लाखों की खरीदारी कर रहे हैं। बैंकिंग क्षेत्र में सुरक्षित ऋण एक ऐसा ऋण है जिसमें उधारकर्ता ऋण के लिए कुछ संपत्ति को संपार्श्विक के रूप में गिरवी रखता है, जो तब ऋण देने वाले लेनदार के लिए एक सुरक्षित ऋण बन जाता है। वहीं असुरक्षित ऋण में या तो वेतन या आधार कार्ड को आधार मानकर ऋण दिया जाता है। तत्काल ऋण एक असुरक्षित ऋण है, जिसकी सुविधा कहीं न कहीं झटपट की धानी, आधा तेल आधा पानी की लोकोक्ति को चरितार्थ करती है। ऋण लेने की आदत को देखते हुए कबीर के सीख देते दोहे याद आते हैं कि 'माया मरी न मन मरा, मर मर गया शरीर। आशा-तृष्णा न मरी, यों कह गए कबीर।' तात्पर्य है कि संसार में रहते हुए न माया मरती है न मन। शरीर न जाने कितनी बार मर चुका, पर मनुष्य की आशा और तृष्णा कभी नहीं मरती। वर्तमान परिदृश्य में लोगों में अपने जीवन के स्तर को दूसरे के जीवन स्तर से बेहतर दिखने की होड़ कर्ज की ओर धकेल रही है। आंकड़े बताते हैं कि बीते साल अक्तूबर में निजी ऋण लेने के आंकड़े में अक्तूबर 2021 की तुलना में बीस फीसद का इजाफा हुआ है। इसी तरह इंस्टा क्रेडिट कार्ड ऋण की परिपाटी में अट्ठाईस फीसद और 'कंज्यूमर ड्यूरेबल ऋण' में सत्तावन फीसद का उछाल आया है। यानी लोग अपनी रोजमर्रा के जरूरतें जैसे कपड़ा, पेट्रोल, यात्रा, मोबाइल बिल या अन्य खरीदारी के लिए तत्काल ऋण या क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर रहे हैं। यह किसी अघोषित वित्तीय खतरे से कम भी नहीं है। एक निजी संस्थान के सर्वे के अनुसार, भारत में सात फीसद जनसंख्या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करती है, जिसमें से तिरसठ फीसद ऐसे लोग हैं, जिन्हें पता ही नहीं है कि क्रेडिट कार्ड के उपयोग पर कितना ब्याज या अन्य कर लगाए जाते हैं। पैंसठ प्रतिशत ऐसे भी उपभोक्ता हैं, जो अपने क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान तय समय से देरी में भरते हैं। बीते वर्ष आरबीआई ने निष्क्रिय लगभग दो लाख नब्बे हजार क्रेडिट कार्ड निरस्त किए। दूसरी ओर तत्काल लोन के मामले में डाटा सुरक्षा एक बड़ा प्रश्न है, क्योंकि जब कोई अपने बैंक या क्रेडिट यूनियन के माध्यम से ऋण प्राप्त करता है तो ऋणदाता के पास गोपनीयता नियमों और नियमों की एक लंबी सूची होती है, जिनका व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के लिए पालन किया जाना चाहिए। जब लोग किसी आनलाइन ऋणदाता के माध्यम से ऋण प्राप्त करते हैं, तो इन नियमों की कोई जानकारी नहीं होती है। यह बहुत संभव है कि व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी से समझौता किया जाएगा। खासकर अगर ऋणदाता के बारे में अच्छी तरह से शोध नहीं करते हैं।

# देश पर भारी पड़ रही नेताओं के अवैज्ञानिक सोच

**प्रधानमंत्री नेहरू जी एक आधुनिक सोच वाले आदमी थे। 1947 में स्वतंत्रता पाने के बाद उनके नेतृत्व में देश में जो औद्योगीकरण हुआ और कई इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना हुई, आज उसी का नतीजा है कि हमारे पास उद्योगों और इंजीनियरों का भंडार है। हमारे आईटी इंजीनियर बड़े पैमाने पर कैलिफोर्निया में सिलिकॉन वैली का प्रबंधन कर रहे हैं।अमेरिकी विश्वविद्यालयों में कई भारतीय प्रोफेसर विज्ञान, इंजीनियरिंग और गणित पढ़ा रहे हैं। इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की इस बड़ी संख्या के बदौलत हम भी चीन की तरह भारत को बड़ी आसानी से चीन...**

हजारों साल पहले जब दुनिया के अधिकांश लोग (ग्रीस और रोम के अलावा) जंगल में रह रहे थे, उस वक्त हमने विज्ञान की सहायता से शक्तिशाली सभ्यताओं का निर्माण किया था। लेकिन बाद में हमने अंधविश्वासों और कर्मकांडों के अवैज्ञानिक रास्ते को अपना लिया। नतीजतन, देश आपदा की तरफ बढ़ने लगा। हमें अब आर्यभट्ट और ब्रह्मगुप्त, सुश्रुत और चरक, पाणिनि, पतंजलि, रामानुजन और रमन जैसे पुरखों के बताए वैज्ञानिक मार्ग पर ही चलना होगा।

देश की विशाल समस्याओं को हल करने का एकमात्र साधन विज्ञान है। विज्ञान से मेरा मतलब भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान आदि की सिर्फ पढ़ाई से नहीं है वरन् संपूर्ण वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने से है। हमें एक तर्कसंगत और जिग्यासु दृष्टिकोण विकसित करना होगा और इस दृष्टिकोण को लोगों के बीच व्यापक रूप से फैलाना भी होगा। दुर्भाग्य यह कि हम अब भी ज्योतिष जैसे अंधविश्वास और जातिवादी, सांप्रदायिक एवं सामंती प्रथाओं में डूबे हुए हैं।

ब्रिटिश शासकों की नीति भारत को सामंती और पिछड़ा रखने की थी। वे चाहते थे कि गरीब आदमी लकड़हारा बने या पानी भरने वाला कहार। तभी तो उन्होंने हमें भारी उद्योग स्थापित करने की अनुमति नहीं दी। डरते थे कि कि अगर भारत का औद्योगीकरण हो गया तो वह ब्रिटिश उद्योगों का एक बड़ा प्रतिद्वंद्वी बन जाएगा।

प्रधानमंत्री नेहरू जी एक आधुनिक सोच वाले आदमी थे। 1947 में स्वतंत्रता पाने के बाद उनके नेतृत्व में देश में जो औद्योगीकरण हुआ और कई इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना हुई, आज उसी का नतीजा है कि हमारे पास उद्योगों और इंजीनियरों का भंडार है। हमारे आईटी इंजीनियर बड़े पैमाने पर कैलिफोर्निया में सिलिकॉन वैली का प्रबंधन कर रहे हैं।अमेरिकी विश्वविद्यालयों में कई भारतीय प्रोफेसर विज्ञान, इंजीनियरिंग और गणित पढ़ा रहे हैं। इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की इस बड़ी संख्या के बदौलत हम भी चीन की तरह भारत को बड़ी आसानी से चीन की तरह एक अत्यधिक विकसित और औद्योगिक देश में बदल सकते हैं। हालाँकि, त्रासदी यह है कि आज भारत प्रतिक्रियावादी, अवैज्ञानिक नेताओं के चंगुल में पड़ गया है। इन नेताओँ ने नेहरू के दिखाए मार्ग को उलट दिया है और देश को मध्य युग में वापस लिए जा रहे हैं।

हमारे पास एक प्रधानमंत्री है जिन?होंने यह हास्यास्पद दावा कर रखा है कि प्राचीन भारत के शल्य चिकित्सक सिर प्रत्यारोपण करने में सक्षम थे। यह भी कि आनुवंशिक इंजीनियरिंग की शुरुआत भी भारत ने ही की थी। शायद यह प्रधानमंत्री के संकेत का परिणाम था कि बाद में भारतीय विज्ञान कांग्रेस में भाग लेने वाले कई तथाकथित 'वैज्ञानिकों' ने भी उस तरह के हास्यास्पद दावे किए जैसे हिटलर के नस्ली वैज्ञानिक किया करते थे। यही नहीं, कई मंत्री भी प्रधानमंत्री का अनुसरण करते हैं।

यह सच है कि प्राचीन भारतीयों ने गणित में दशमलव प्रणाली का आविष्कार किया था। चिकित?सा विज्ञान में प्लास्टिक सर्जरी का प्रारंभ भी हमारे पुरखों ने किया था। लेकिन आज तो कतई बेतुके और झूठे दावे किए जा रहे हैं। मसलन, योग से कैंसर का ठीक हो सकता है, या यह कि प्राचीन भारतीयों ने लाखों साल पहले परमाणु परीक्षण किए थे और हवाई जहाज का आविष्कार किया था। यह भी कि न्यूटन और आइंस्टीन से बहुत पहले गुरुत्वाकर्षण के नियमों की खोज भी भारत ने कर ली थी।

दावा तो यहां तक कि महाभारत काल में भारतीयों द्वारा इंटरनेट का उपयोग किया जाता था। यह दावा भी कम दिलचस्प नहीं कि गाय ही ऐसा जानवर है जो ऑक्सीजन छोड़ता है और गोमूत्र कोविड समेत कई बीमारियों को ठीक कर सकता है। यह दावा भी सुनाई दे जाता है कि योगिक खेती से कृषि उपज बढ़ सकती है। लेकिन यह योगिक खेती होती क्या है।

कुल मिला कर वर्तमान नेतृत्व में भारत में विज्ञान और तार्किकता पर हमला किया जा रहा है। भारत में अंधकार का युग आ गया है। वैसे ही जैसे 1933 में जर्मनी अंधकार भरे काल में समा गया था।

# मुझे हमेशा से एक्शन पसंद, जाट को लेकर उत्साहित हूं

अभिनेता रणदीप हुड्डा क्रिस हेम्सवर्थ अभिनीत फिल्म एक्सट्रैक्शन की रिलीज के पांच साल बाद एक्शन जोन में वापस कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने माना कि उन्हें हमेशा एक्शन जॉनर पसंद रहा है क्योंकि इसमें कुछ नया और रोमांच होता है। जल्द ही वो जाट में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। एक्सट्रैक्शन सैम हार्ग्रेव द्वारा निर्देशित और रुसो ब्रदर्स द्वारा निर्मित है, जो 2020 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब जाट के साथ, वह एक एक्शन स्टार की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसमें उन्होंने रणतुंगा की भूमिका निभाई है। एक्शन में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए, रणदीप हुड्डा ने कहा, मुझे हमेशा से एक्शन शैली पसंद रही है। इसमें कुछ नयापन, भावनाओं को झकझोरने का माद्दा और रोमांच होता है। बायोपिक्स में गंभीर किरदार निभाने के बाद जाट में खतरनाक रणतुंगा का रोल मेरे अलग ही किरदार को प्रदर्शित करता है। अभिनेता ने कहा कि वह एक्शन को मिस कर रहे थे और 'जाट' उन्हें उस स्थान पर वापस ले आया। रणदीप ने कहा- कोरियोग्राफी से लेकर एक्शन तक काफी डिमांडिंग था लेकिन यह एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संतोषजनक अनुभव रहा है। एक ऐसा किरदार निभाना जो जितना करिश्माई है उतना ही निर्दयी भी है, कुछ ऐसा है जिसे लेकर मैं वाकई उत्सुक हूं। एक्सट्रैक्शन मेरे लिए अपनी तरह की पहली फिल्म थी ये एक रोमांचकारी अनुभव था। जाट की बात करें तो इसका निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। इसमें विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसांद्रा भी हैं। प्रत्येक अभिनेता अपनी भूमिका में अनूठापन और गहराई लाता है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है। संपादन नवीन नूली ने किया है। दावा है कि फिल्म दर्शकों को मनोरंजन की दुनिया की अद्भुत सैर पर ले जाएगी। मैथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित यह फिल्म 10 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज होगी।

# क्या करण जौहर की राह चलेंगी आलिया?

## नई प्रतिभाओं को करेंगी लॉन्च

आलिया भट्ट ने साल 2012 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अभिनय की दुनिया में कदम रखे थे। उन्हें करण जौहर ने लॉन्च किया था। तब से अब तक आलिया ने कई कमाल की फिल्मों में काम किया है और सिलसिला जारी है। वे प्रोडक्शन की दुनिया में भी कदम रख चुकी हैं। साल 2021 में आलिया ने अपना प्रोडक्शन हाउस एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस लॉन्च किया था। इसके बैनर तले उन्होंने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर पहली फिल्म डार्लिंग्स बनाई। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि आलिया एक वेब सीरीज का निर्माण करने वाली हैं।

### नई कास्ट को करेंगी लॉन्च

आलिया भट्ट की पिछली दो फिल्में- हार्ट ऑफ स्टोन और जिगरा बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई। अब आलिया शिव रवैल के निर्देशन में बन रही स्पाई एक्शन ड्रामा फिल्म अल्फा में नजर आएंगी। इस बीच अभिनेत्री को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है। कहा जा रहा है कि आलिया एक एडल्ट वेब सीरीज प्रोड्यूस करेंगी। तेलुगु 123 की रिपोर्ट के अनुसार, आलिया भट्ट अपनी इस वेब सीरीज को पूरी तरह नई कास्ट के साथ बनाएंगी।

### क्या आलिया पकड़ेंगी करण जौहर की राह?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट को चार नए चेहरों की तलाश है, जिन्हें वे इस वेब सीरीज के जरिए लॉन्च करेंगी। हालांकि, फिलहाल आधिकारिक रूप से ऐसी कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। लेकिन, अगर खबरों में सच्चाई है तो देखना यह भी दिलचस्प होगा कि आलिया आउटसाइडर्स को मौका देती हैं या करण जौहर की तरह स्टारकिड्स पर भरोसा जताएंगी। मालूम हो कि करण जौहर स्टारकिड्स को लॉन्च करने के लिए जाने जाते हैं।

### इस ओटीटी पर आने की चर्चा

बतौर निर्माता आलिया की पहली फिल्म डार्लिंग्स साल 2022 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। आलिया ने इसमें लीड रोल किया था और उनके अपोजिट विजय वर्मा नजर आए थे। विजय ने आलिया के शराबी पति की भूमिका निभाई थी। आलिया की सीरीज को लेकर कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यह प्राइम वीडियो पर आएगी। फिलहाल आधिकारिक तौर पर कब एलान होता है? इसका इंतजार है!

# अंजिनि धवन ने भाई-भतीजावाद पर इब्राहिम-खुशी का किया बचाव

अंजिनी धवन जो हाल ही में सलमान खान की फिल्म सिकंदर में नजर आई थीं, उन्होंने फिल्म नादानियां में इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर के ट्रोल होने पर अपनी बात रखी है। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में अंजिनि धवन ने नादानियां में भाई-भतीजावाद के इल्जाम को लेकर इब्राहिम और खुशी का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि आलोचना बहुत निजी मामला हो जाता है। किसी भी फिल्म की कामयाबी या नाकामी किसी एक पर निर्भर नहीं करती है। इसमें कई लोग काम करते हैं। इसलिए यह सब पर निर्भर करती है। फिल्म नादानियां साल 2025 के शुरूआत में रिलीज हुई थी। यह फिल्म रोमांटिक कॉमेडी है। इसका निर्देशन शाउना गौतम ने किया था। फिल्म के निर्माता करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा थे। इस फिल्म से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में महिमा चौधरी, दिया मिर्जा और सुनील शेट्टी थे।

### नादानियां पर मिली-जुली प्रतिक्रिया

फिल्म नादानियां को मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी। नादानियां से बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद पर फिर से नई बहस छिड़ी थी। हालांकि कई दर्शकों ने कहा कि फिल्म की क्वालिटी अच्छी नहीं थी। जबकि कुछ लोग फिल्म के सपोर्ट में भी आए और इसके विचार का समर्थन किया। फिल्म में स्टार किड्स इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर के लॉन्च पर बॉलीवुड में इस बात की चर्चा तेज हुई कि सितारों के बच्चों को फिल्मों में खास मौका दिया जाता है।

### वरुण धवन की फिल्मों की तारीफ

अंजिनी ने अपने चचेरे भाई वरुण धवन के फिल्मी करियर की तारीफ की। उन्होंने उनकी चार फिल्मों के बारे में बताया जो उन्हें बहुत पसंद आई। उन्हें बदलापुर, अक्टूबर, मैं तेरा हीरो और हम्टी शर्मा की दुल्हनिया बहुत पसंद आई।

# छावा के बाद प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

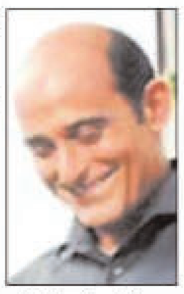

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म छावा में औरंगजेब के किरदार से सबका हैरान कर देने के बाद अब वह अपनी अगली बड़ी फिल्म के साथ तैयार हैं। अक्षय ने प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली साइन की है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) की तीसरी कड़ी होगी। फिल्म का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा कि अक्षय खन्ना महाकाली में एक अहम भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले बन रही है। हनु-मान की शानदार सफलता के बाद अब महाकाली इस यूनिवर्स की अगली सुपरहीरो फिल्म होगी। यह एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है जो देशभर के दर्शकों तक पहुंचेगा।

# ऋतिक रोशन 'कृष 4' के डायरेक्शन पर बोले राकेश रोशन

ऋतिक रोशन ने भी अपने पिता राकेश रोशन की तरह एक्टिंग करने के बाद निर्देशक बनने की तरफ कदम बढ़ा दिया है। वह अपनी ही आने वाली फिल्म 'कृष 4' का निर्देशन करेंगे। इस फिल्म के बारे में, निर्देशक की कुर्सी पर बैठने के अनुभव के बारे में ऋतिक ने अपने मन की बातें एक इवेंट में साझा की है। इस इवेंट में उनके कई फैंस भी मौजूद थे।

### कैसा महसूस कर रहे हैं ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें वह एक इवेंट में नजर आ रहे हैं। इसी इवेंट में अपनी फिल्म 'कृष 4' के बारे में उन्होंने बात की। फिल्म 'कृष 4' को लेकर ऋतिक कहते हैं, 'मुझे मोटिवेशन की जरूरत है। मैं काफी नर्वस हूं।' फिल्म 'कृष 4' के निर्देशन की जिम्मेदारी अब ऋतिक रोशन के कंधों पर है।

### लीड रोल में ऋतिक आते हैं नजर

साइंस फिक्शन, सुपर हीरो की कहानी वाली 'कृष' सीरीज की फिल्मों में ऋतिक की कृष के रोल में नजर आते हैं। 'कृष' सीरीज की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है, दर्शकों को इस सीरीज की फिल्मों का इंतजार रहता है। इस सीरीज की अब तक की फिल्मों को ऋतिक के पिता राकेश रोशन ने निर्देशित किया था। अब ये काम ऋतिक करेंगे।

### ऋतिक रोशन की आने वाली फिल्में

फिल्म 'कृष 4' का जहां ऋतिक रोशन निर्देशन कर रहे हैं। वहीं बतौर एक्टर भी उनकी कुछ फिल्म आने वाली हैं। इसमें 'वॉर 2' फिल्म भी शामिल है। इस फिल्म में उनके साथ साउथ एक्टर जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग के लिए कुछ दिन पहले जूनियर एनटीआर मुंबई में ही थे। जूनियर एनटीआर को ऋतिक अपना पसंदीदा को-एक्टर भी बताते हैं।

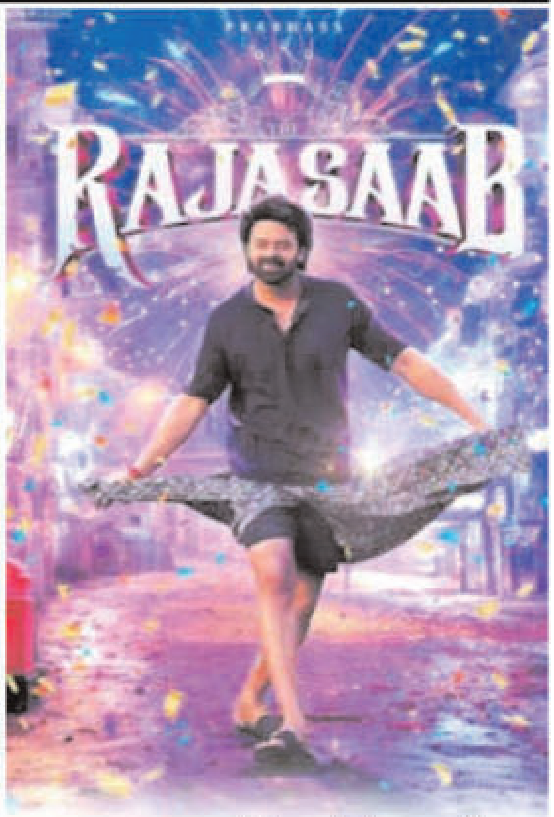


# एक बार फिर खिसकी द राजा साब की रिलीज डेट, अब इस साल दस्तक नहीं देगी प्रभास की फिल्म

साउथ सुपरस्टार प्रभास अपनी अगली फिल्म द राजा साब को लेकर चर्चा में हैं। वहीं, फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रभास की आने वाली हॉरर रोमांटिक कॉमेडी फिल्म द राजा साब प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा में है। फिल्म की रिलीज को कई बार देरी का सामना करना पड़ रहा है। अब खबर आ रही है कि फिल्म एक बार फिर आगे की रिलीज के लिए खिसक गई है।

### पोस्टपोन हुई द राजा साब

प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म द राजा साब एक बार फिर पोस्टपोन हो गई है। मूल रूप से यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसकी रिलीज को टाल दिया गया था और खबर थी कि यह फिल्म 2025 के मध्य में रिलीज होगी। हालांकि, अब इस फिल्म को फिर आगे खिसका दिया गया। मारुति दासरी द्वारा निर्देशित यह हॉरर-कॉमेडी इस साल स्क्रीन पर नहीं आएगी, यह संक्रांति 2026 तक रिलीज हो सकती है।

### क्यों हुई फिल्म में देरी?

ओटीटी प्ले के अनुसार, दरअसल, 2025 के मध्य में कई फिल्में रिलीज होने के लिए तैयार है और इस वजह से ही फिल्म के लिए 2026 की संक्रांति का समय चुना गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माता अभी भी लंबित वीएफएक्स भागों पर काम कर रहे हैं , जिसके कारण देरी हुई है। इसके अलावा, अपनी दूसरी फिल्म फौजी की शूटिंग के दौरान प्रभास के पैर में चोट लगने से द राजा साहब की शूटिंग प्रभावित हुई है।

### प्रभास की आने वाली फिल्म

यह फिल्म प्रभास की पहली हॉरर-कॉमेडी फिल्म होगी और इसमें वह दोहरी भूमिका में नजर आएंगे, जिसमें वह वृद्ध व्यक्ति की भूमिका भी निभाएंगे। फिल्म में मालविका मोहनन, संजय दत्त और निधि अग्रवाल भी हैं। द राजा साहब के अलावा प्रभास की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं वह निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ स्पिरिट, एक्शन-ड्रामा सालार 2 और नाग अश्विन की कल्कि 2898 एडी सीक्वल में अभिनय करेंगे। पौराणिक ड्रामा फिल्म कन्नप्पा में भी उनकी विशेष भूमिका है।

# मैं जो भी काम करता, उसे आउटडेटेड बोलते थे, मगर गदर 2 के बाद...

**चार दशकों से लोगों के दिलों पर राज कर रहे बॉलिवुड स्टार सनी देयोल इन दिनों बेहद खुश हैं। पिछले कुछ सालों से अच्छी स्क्रिप्ट्स के लिए तरसने वाले सनी पाजी गदर 2 की सुपर सक्सेस के बाद कई बड़ी फिल्मों में दिखेंगे। इसकी शुरुआत सुपरहिट फिल्म पुष्पा के मेकर्स की एक्शन फिल्म जाट से हो रही है।**

**आप साउथ की फिल्ममेकिंग स्टाइल से काफी खुश दिखे? उनकी फिल्में सफल भी रही हैं। वे क्या सही कर रहे हैं, जो बॉलिवुड को सीखने की जरूरत है?**

सनी देओल ने कहा, सीखने की बात नहीं है। हमारा खुद का सिनेमा ऐसा ही हुआ करता था, देसी कहानियां, लार्जर दैन लाइफ हीरो। मैंने कितनी ऐसी हिंदी फिल्में की हैं, मगर बाद में हमने वो बनानी बंद कर दी। जबकि, साउथ की वैसी ही फिल्में डब होकर आने लगीं, जो पूरा देश देखता था। फिर जब हमें वैसी फिल्म बनानी होती तो साउथ की रीमेक करने लगे। हमारे राइटर, डायरेक्टर्स ने वो कहानियां सोचनी बंद कर दीं, क्योंकि उनको मौका नहीं मिल रहा था। मल्टीप्लेक्स आने के बाद मेकर्स सिर्फ सीमित शहरी ऑडियंस को टार्गेट करने लगे और चूंकि वही फिल्में उन्हें बिजनेस दे रही थीं तो वे खुश भी थे। अब गदर 2 इतनी सफल हुई, मगर जब हम उसे बना रहे थे तो सब कह रहे थे कि ये आउटडेटेड है। ऐसा सिनेमा नहीं चलता। आर्ट मॉडर्न है, ये है वो है तो हमें समझ में नहीं आ रहा था कि ये मॉडर्न और आउटडेटेड क्या होता है? मगर दौर वैसा ही चल रहा था। मैं जो भी काम करता, उसे आउटडेटेड बोलते थे। मगर जब गदर 2 चल गई, तब बोलते हैं अरे यार, गलती हो गई। हम भी ऐसा ही कुछ बनाते हैं तो ये हमेशा रहा है और ऐसा ही चलता रहेगा। जब कोई चीज सफल हो जाती है तो सब उसके पीछे भागते हैं। हमें अपनी कहानियों पर यकीन करना जरूरी है।

**गदर 2 की सफलता के बाद आपकी जिंदगी कितनी बदली?**

गदर 2 के बाद मैंने ढेर सारी फिल्में कर रहा हूं। वरना उससे पहले मुझे फिल्में करने में मुश्किल होती थी, क्योंकि मन मुताबिक ऑफर ही नहीं मिलते थे। मैं अक्सर कहता हूं कि मेरी स्ट्रगल गदर के बाद शुरू हुई। उससे पहले मुझे पता नहीं था कि स्ट्रगल क्या होता है। मैं जो भी करना चाहता था, कहानी अच्छी लगती थी, फिल्म बना लेते थे। गदर के बाद उस तरह की चीजें मेरे हाथ में आनी बंद हो गईं। मैं जैसा सिनेमा करना चाह रहा था, वो नहीं कर पा रहा था। मगर मैं ऐसा इंसान हूं कि लगा रहता हूं। इसलिए बस लगा रहा। प्रड्यूसर था तो फिल्में खुद बनाई, डायरेक्ट भी कीं। जो फिल्में नहीं करनी थीं, वो भी करता गया, करता गया, क्योंकि मैं ऐसा ही हूं। मैं लगा रहता हूं।

**आप जाट, लाहौर 1947, बॉर्डर 2, रामायण इतनी सारी फिल्मों पर एक साथ काम कर रहे हैं। 69 की उम्र में खुद को इतना फिट कैसे रखते हैं, क्योंकि कहीं न कहीं शरीर की अपनी एक क्षमता होती है?**

मैं ऐसे नहीं सोचता। मुझे नहीं लगता है कि मेरी उम्र बहुत हो गई है। मुझे याद है कि जब 80 के दशक में मैं फिल्मों में आया था और शूट करता था तो मेरे इतने ज्यादा एक्सिडेंट हुए थे। मेरी पीठ में दिक्कत हुई, छह-छह महीने मैं बिस्तर में रहा। मेरे शरीर का पुर्जा-पुर्जा टूटा है, लेकिन इस वजह से मैंने कभी ये नहीं सोचा कि मैं ये नहीं करूंगा, वो नहीं करूंगा। मैं चलता रहा, जहां तक मेरे शरीर ने साथ दिया। इसलिए मैं कह रहा हूं कि मुझे पता नहीं कि मेरी उम्र क्या है, क्योंकि मैं वो कर रहा हूं जो मुझे करना है।

**हैंड पंप उखाड़ने के आइकॉनिक सीन के बाद जाट में आप पंखा घुमा रहे हैं। ऐक्शन से इतना लगाव क्यों? क्योंकि कहीं न कहीं इस फिल्म में भी आपकी वही इमेज भुनाने की कोशिश दिख रही है!**

इमेज भुनाने की कोशिश नहीं है। ये तो फिल्म की कहानी पर निर्भर करता है, जहां ऐक्शन की जरूरत होती है, वहां करते हैं। राइटर्स पब्लिक को एंटरटेन करने के लिए जरूरत के हिसाब से सीन लिखते हैं। मगर, ये तो है कि इतने समय से ऐक्शन करते-करते वो इमेज इतना बड़ा हो गया है कि मैं चाहूं भी तो उससे नहीं निकल पाता। मुझे पता है कि ऑडियंस को देखना ही वो है जो बहुत बड़ा हो, जिसे देखकर उन्हें लगे कि मजा आया।

बहुत से लोग इस बात का रोना रोते रहते हैं कि उनका भाग्य ही खराब है। नसीब नहीं साथ दे रहा है इसलिए किसी काम में सफलता नहीं मिलती है। जबकि सच यह है कि भाग्य तो कर्म के अधीन है। हाथ की लकीरों में अपने भाग्य को ढूंढने की बजाय अगर हम हाथों को कर्म करने के लिए प्रेरित करें तो भाग्य रेखा खुद ही मजबूत हो जाएगी और हम वह पा सकेंगे जिसकी हम चाहत रखते हैं।

# कर्म कीजिए भाग्य आपका गुलाम बन जाएगा

### कर्म के अनुसार बदलती हैं रेखा

हस्त रेखा विज्ञान के अनुसार कुछ रेखाओं को छोड़ दें तो बाकी सभी रेखाएं कर्म के अनुसार बदलती रहती है। अपनी हथेली को गौर से देखिए कुछ समय बाद रेखाओं में कुछ न कुछ बदलाव जरूर दिखेगा इसलिए कहा गया है कि रेखाओं से किस्मत नहीं कर्म से रेखाएं बदलती हैं।

### सकल पदारथ एहि जग माहि

गोस्वामी तुलसीदास जी कर्म के मर्म को बखूबी जानते थे तभी उन्होंने कहा है सकल पदारथ एहि जग माहिं। कर्महीन नर पावत नाहिं।। तुलसीदास जी ने अपनी दोहा में स्पष्ट किया है कि इस संसार में सभी कुछ है जिसे हम पाना चाहें तो प्राप्त कर सकते हैं लेकिन जो कर्महीन अर्थात प्रयास नहीं करते इच्छित चीजों को पाने से वंचित रह जाते हैं।

### सिंह को भी आलस्य त्यागना होगा

नीतिशास्त्र में कहा गया है कि न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।। इसका तात्पर्य यह है कि सिंह अगर शिकार करने न जाए और सोया रहे तो मृग स्वयं ही उसके मुख में नही चला जाएगा। यानी सिंह को अपनी भूख मिटानी है तो उसे आलस त्यागकर मृग का शिकार करना ही पड़ेगा। इसी प्रकार हम सभी को जिस चीज की, जिस मंजिल की तलाश है उसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रयास का फल देर से मिल सकता है लेकिन परिणाम आपके पक्ष में होगा यह मानकर सही दिशा में प्रयास करते रहना चाहिए।

### पृथ्वी यानी कर्म की भूमि

शास्त्रों में पृथ्वी को कर्म भूमि कहा गया है। यहां आप जैसे कर्म करते हैं उसी के अनुरूप आपको फल मिलता है। भगवान श्री कृष्ण ने ही गीता में कर्म को ही प्रधान बताया है और कहा है कि हम मनुष्य के हाथों में मात्र कर्म है अतः हमें यही करना चाहिए। फल क्या होगा वह हमें भगवान पर छोड़ देना चाहिए। भगवान अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते हैं इसलिए जो जैसा कर्म करता है उसे उसका उसे वैसा ही फल देते हैं। सीधी बात यह है कि कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहिं सो तस फल चाखा। अर्थात जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है।

# जैसा सोचेंगे वैसा ही परिणाम मिलेगा आपको

अगर आप दुःखी हैं तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप खुद हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुःख से कोई लेना देना नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा।

हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिवर्तन हो रहा है। यह परिवर्तन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्र में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं। वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दुःखी होता है और क्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

# अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढकर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं।

अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं।

भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शास्त्रों में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

# दूसरों के अवगुण नहीं गुण भी देखिए

मनुष्यों की सामान्य प्रवृति है कि वह अपने भीतर सिर्फ गुण देखता है और दूसरों के गुणों को पहचान नहीं पाता है। यही कारण है कि मनुष्य खुद को दूसरों से श्रेष्ट मानने की भूल कर बैठता है। जबकि गौर से देखें तो जिसे आप अयोग्य व्यक्ति मानते हैं उसमें भी कुछ न कुछ गुण अवश्य पाएंगे। अगर उन गुणों को अपने अंदर ग्रहण करने की कोशिश करें तो जिस व्यक्ति को अयोग्य मान रहे थे वह भी आपको गुणों का खजाना नज़र आने लगेगा। इससे आप कई चीजें एक साथ प्राप्त कर लेंगे। एक तो उस व्यक्ति की नज़र में आपका सम्मान बढ़ेगा। मन से निरादर की भावना दूर होगी और आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी एक ऐसी ही घटना का जिक्र यहां प्रस्तुत है जो बताता है कि किस प्रकार हमें बुराईयों में से अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए। महात्मा गांधी इंग्लैंड की यात्रा पर थे। उस समय उन्हें एक अंग्रेज ने एक कागज पर बुरा-भला लिखकर दिया। गांधी जी ने उस व्यक्ति से कुछ नहीं कहा बल्कि कागज में लगा हुआ पिन निकालकर अपने पास रख लिया और कागज फेंक दिया। गांधी जी के साथ जो लोग थे उन्होंने गांधी जी से कहा कि अंग्रेज आपको बुरा-भला कह रहा है और आप उसे कुछ जवाब नहीं दे रहे हैं। गांधी जी ने कहा कि कागज पर लिखे हुए शब्द मेरे लिए उपयोगी नहीं थे। इसलिए मैंने उन्हें फेंक दिया। जबकि कागज में लगा हुआ पिन उपयोगी है इसलिए मैंने उसे अपने पास रख लिया है। गांधी जी ने ऐसा कह कर यह संदेश दिया कि बुराईयों को छोड़ दो और जहां कहीं कुछ भी अच्छाई दिखे उसे तुरंत ग्रहण कर लो।

# स्व. बाबूलाल मीना की पुण्य स्मृति पर मृत्यु भोज नहीं, जलाया शिक्षा का दीप

## विद्यालय को विकास हेतु मुख्य सचिव को सौंपा 5 लाख रुपये का चैक

जयपुर टाइम्स

**सवाई माधोपुर(निसं.)** जिला कलक्टर शुभम चौधरी की प्रेरणा से जिले में संचालित "भविष्य की उड़ान" नवाचार के अंतर्गत जनसहभागिता के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरक पहलें निरंतर सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक अनुकरणीय मिसाल ग्राम चांदनहोली, तहसील बामनवास में देखने को मिली, जहाँ स्वर्गीय श्री बाबूलाल मीना की पुण्य स्मृति में उनके परिजनों ने सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए मृत्यु भोज का आयोजन नहीं किया, बल्कि समाज को नई दिशा देने वाला एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए शिक्षा के क्षेत्र में 5 लाख रुपये का योगदान दिया। 'भविष्य की उडान कायक्रम से प्रेरित होकर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य मनोहर लाल मीना, सरपंच रामखिलाडी, उप प्राचार्य अमित कुमार मीना, प्रबुद्धजन ग्रामवासी रूपनारायण पटेल, ठण्डी मीना, घांसीलाल मीना, बृजलाल, जगराम टीटी, धर्मसिंह मीना, ओम प्रकाश मीना की पहल से ग्राम चांदनहोली निवासी कुन्जीलाल मीना, रूपराम मीना, लेखराज मीना एवं राजेश मीना और इनकी माता मथुरी देवी ने अपने पिता व पति श्री बाबूलाल मीना की स्मृति में मृत्यु भोज के स्थान पर 5 लाख रूपये का चैक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चांदनहोली के कायाकल्य हेतु जिला कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य सचिव सुधांश पंत एवं जिला कलक्टर शुभम चौधरी सौंपा। एडीपीसी समग्र शिक्षा दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि से प्राप्त 5 लाख रुपये की राशि पर राज्य सरकार द्वारा 60 प्रतिशत अंशदान के रूप में 7 लाख 50 हजार रुपये सहित कुल 12 लाख 50 हजार रुपये की राशि से विद्यालय में कक्षा-कक्ष निर्माण, सौंदर्यकरण तथा आवश्यक मरम्मत कार्य कराए जाएंगे।इसी क?ी में ग्राम चाँदनहोली के भामाशाहों ने एक लाख रूपये की राशी का चैक विद्यालय विकास हेतु प्रदान किया । जिला कलक्टर श्री शुभम चौधरी ने सर्व समाज से अपील करते हुए कहा कि, "हमें मृत्युभोज जैसी रूढ़ियों से आगे बढ़कर, अपने परिजनों की स्मृति को शिक्षा जैसे पुनीत कार्यों से अमर बनाना चाहिए। इस सोच से न केवल किसी का नाम चिरस्थायी होता है, बल्कि समाज की नींव भी मजबूत होती है।" इस प्रेरणादायी अवसर पर पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## शिक्षक की याद में किया पौधारोपण

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ(नि.सं.)** स्थानीय राजकीय पी सी बी उच्च मा. विद्यालय में वरिष्ठ अध्यापक हिंदी के पद पर कार्यरत हुक्माराम बरवड का अकस्मात् सडक दुर्घटना में निधन हो जाने पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में विद्यार्थियों स्टाफ, एसएमसी सदस्यों ने स्व. बरवड को भावपूर्ण श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रधानाचार्य रणवीर सिंह महरिया, पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, पार्षद शर्मिला सोनी, राजेन्द्र प्रसाद प्रजापत, हनुमान मेघवाल, सुरजाराम डाबरिया, प्रधानाचार्य मुन्नालाल ढेनवाल, सरोज वीर पुनिया, शीतल मिश्रा, सुधेद्र जोशी, अशोक अत्रि आदि लोगों ने कार्यर्क म में विचार प्रकट किए। श्रद्धांजलि शभा में हीरालाल व्याख्याता, मो. जावेद, कौशल्या गुलेरिया, विद्याधर मेघवाल, महताब सिंह, ओमप्रकाश आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर उनकी स्मृति को चिरस्थाई बनाने के लिए सुखचेन सिंह नें पक्षियों के लिए 5 परिंडे और 21 पौधे लगाए।

## खाटू नरेश के नगर भ्रमण में उमडा आस्था का सैलाब

### फटकारो मोरछडी कार्यक्रम के तहत निकाली निशान यात्रा

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** श्रीश्याम अखंड ज्योत पाठ समिति चूरू की ओर से रविवार को होने वाले श्याम अखंड ज्योत पाठ के 11वें भव्य उत्सव को लेकर शनिवार को समिति के पदाधिकारीयों व चूरू वासियों ने खाटू नरेश को चूरू का नगर भ्रमण करवाया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि बाबा श्याम का शीश लुधियाना से मंगवाया गया है। विशेष पूजा-अर्चना के बाद बाबा खाटू श्याम को साथ लेकर श्याम भक्त सब्जी मंडी स्थित एसबीआई बैंक की गली से रवाना हुए और सफेद घंटाघर, गढ चौराहा, गुदडी बाजार, जैन मार्केट होते हुये मुख्य मार्गों से कार्यक्रम स्थल नागवानों के नोहरे में पहुंचे। यात्रा का आलम ये था कि रंग-बिरंगी पोशाक पहनें, हाथों में निशान लिए श्रद्धालु हर किसी को आकर्षित कर रहे थे। निशान यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा व इत्र वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में बढी संख्या में महिला-पुरूष नाचते-गाते बाबा श्याम के भजनों पर झूमते नजर आये। बाबा श्याम के जयकारों से शहर गुंजायमान हो गया। यात्रा के दौरान व्यापारियों ने श्रद्धालुओं को जगह-जगह ठंडा पेय पदार्थ पिलाया। इस अवसर पर बडी संख्या में समिति के पदाधिकारी व श्याम प्रेमी मौजूद रहे।

## मानव सेवा प्रकृति प्रेमी ग्रुप ने भव्य हनुमान शोभायात्रा के स्वागत में बिछाए पलक पांवड़े, पुष्प वर्षा से स्वागत एवं शीतल जल की व्यवस्था

जयपुर टाइम्स

**सवाई माधोपुर(निसं.)** श्री हनुमान जयंती के पावन पर्व पर मानव सेवा प्रकृति प्रेमी ग्रुप सवाई माधोपुर की ओर से जिला कलेक्ट्रेट के पास मानटाउन स्कूल के सामने गणेश नगर बी से आने वाली विशाल भगवा शोभायात्रा का रंगोली सजाकर, पुष्प वर्षा कर एवं पीने के लिए अध्यक्ष हनुमान सिंह नरूका के नेतृत्व में शीतल पानी की बोटलो की व्यवस्था की गई। इसके बाद शर्मा होटल चोराहे पर बाहर से पधारें अखाड़े टीमो के ऊपर भी इस शोभायात्रा में चार चांद लगाने पर पुष्प वर्षा की गई।इस अवसर पर संरक्षक विनोद कुमावत, सचिव राजेश सैनी,संगठन मंत्री रामबाबू कुमावत, प्रभारी श्रवण सिंह गवारिया, लड्डूलाल लोधा, चंचल सैनी पार्षद, पं मुकेश गौत्तम, सहित ग्रुप के कई पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

**name changed**

My army no 16023690kNk rajesh pooniyaResident of village billun bass rampura Tah sardarshahar Dis churu (Raj)In my service record my wife name is wrongly mentioned as Krishna pooniya her actual name Krishna kaswan for all future purpose wide affidavit dated 3 April 2025 at central notary public Sardarshahar

## जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से भी मनाया हनुमान जी का जन्मोत्सव

जयपुर टाइम्स

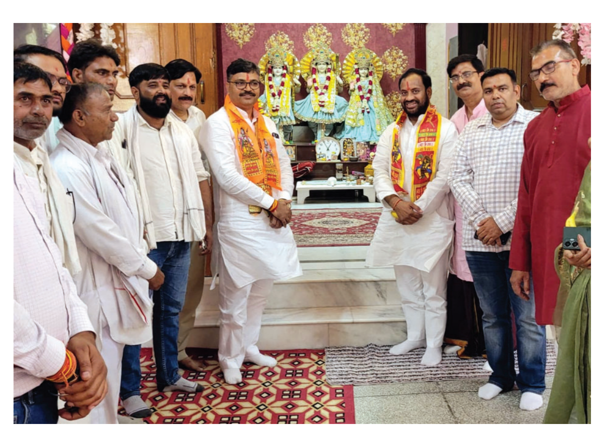

**अलवर(निसं.)।** जिला कांग्रेस कमेटी अलवर की ओर से प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त, महाबली, बल, बुद्धि और विद्या के दाता श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया गया। कांग्रेस प्रवक्ता रिपुदमन गुप्ता ने बताया की हनुमान जयंती के अवसर पर मोती डूंगरी स्थित चमत्कारी हनुमान मंदिर के पुजारी प्रमेन्द्र शर्मा ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा का तिलक व पटका पहनाकर स्वागत किया एवं हनुमानजी जी की आरती करवाई, उसके बाद में सभी कांग्रेसजनों एवं श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। उसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, रिपू दमन गुप्ता, कमलेश सैनी, राजेश कृष्ण सिद्ध, गौरीशंकर विजय, जमशेद खान, नितिन धाकड आदि उपस्थित रहे।

## नेता प्रतिपक्ष जूली का सर्व समाज के लोगों ने किया जोरदार स्वागत

जयपुर टाइम्स

**अलवर/जयपुर।** नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का शनिवार को अलवर मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर सर्व समाज के लोगों ने जोरदार स्वागत किया। पिछले दिनों हुए गंगाजल विवाद के बाद जूली शनिवार को अलवर पहुंचे थे। जूली ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सर्व धर्म समभाव के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बताएं मार्ग पर हम चलने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहिष्णुता हमारी विरासत है लेकिन कुछ चंद्र लोग इसे खंडित कर धार्मिक उन्माद और राजनीतिक ध्रुवीकरण करना चाहते हैं। जय सियाराम, जय बजरंगबली के नारों के बीच जूली बोले हमें सभी धर्मों के प्रति समानता का भाव रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के प्रति सम्मान और प्रेम केवल एक आदर्श नहीं हमारी सभ्यता है कोई भी धर्म हमें शांति और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि मानवता की रक्षा करना सभी धर्मों का उद्देश्य है। सर्व समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से उन्हें हिंदू मुस्लिम सिख इसाई हम सब है भाई भाई की एक तस्वीर भेंट की।

## जहाँ सडक़ें होती है, वहाँ विकास कार्य तेजी से पहुँचते है- राधा पटेल

जयपुर टाइम्स

**कोटपूतली(निसं.)** विधायक प्रतिनिधि श्रीमती राधा देवी पटेल ने शनिवार को क्षेत्र में विभिन्न सडक़ों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने निकटवर्ती ग्राम भैंसलाना से ढ़ाणी मंगलदास वाली तक 01 करोड़ 02 लाख 50 हजार रूपयों की लागत से बनाई जा रही 4.10 किमी लम्बी सडक़ व ग्राम सांगटेड़ा से बनका तक 50 लाख 75 हजार रूपयों की लागत से बनाई जा रही 02 किमी लम्बी सडक़ के निर्माण कार्य का पट्टीका का लोकार्पण कर शिलान्यास किया। इस दौरान आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुये राधा देवी ने कहा कि जहाँ अच्छी सडक़े होती है, वहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक विकास तेजी से होता है। उन्होंने कहा क्षेत्र के प्रत्येक गाँव व ढ़ाणी को अच्छी सडक़ों से जोडऩे के प्रयास किये जा रहे है। ताकि आवागमन सुगम हो सकें। भजन लाल सरकार प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिये कार्य कर रही है। इस दौरान भाजपा उत्तर मण्डल के अध्यक्ष एड. रमेश रावत, सरपंच सोनू चौधरी, भैंसलाना सरपंच गीता कंवर, एड. चेतराम रावत, भाजपा दक्षिण मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह आदाली, रोहिताश्व कपुरिया, महेश निर्वाण समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। विधायक प्रतिनिधि का ग्रामीणों ने शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। वहीं ग्राम पंचायत भैंसलाना की ढ़ाणी सांपला वाली में विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल का ग्रामीणों ने सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णा यादव के नेतृत्व में माला, शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान भाजपा नेता धर्मसिंह, सामाजिक कार्यकर्ता गिरिराज स्वामी, हरिद्वारी लाल स्वामी, तेजपाल सिंह, किशोर सिंह, अजय शुक्ल, रामलाल सरपंच, जगदीश यादव, अमीचंद यादव, रामू, मदन, घीसाराम, निशांत, राव सिद्धार्थ समेत अन्य मौजूद रहे। विधायक हंसराज पटेल रविवार को क्षेत्र में विभिन्न सडक़ों के निर्माण कार्य का शिलान्यास करेगें। निजी सचिव भारत शर्मा ने बताया कि 30 लाख रूपयों की लागत से बनाई जा रही 1.20 किमी लम्बी रामसिंहपुरा सम्पर्क सडक़, चौलाई से नवरंगपुरा तक 56 लाख 25 हजार रूपयों की लागत से बनाई जा रही 2.25 किमी लम्बी सडक़, राजमार्ग से चानचकी तक 01 करोड़ 01 लाख 25 हजार रूपयों की लागत से बनाई जा रही 4.5 किमी लम्बी सम्पर्क सडक़ व नवरंगपुरा बाबा भैंरू के मंदिर से ढ़ाणी बोरावाली तक 98 लाख रूपयों की लागत से बनाई जा रही 2.8 किमी लम्बी मिसिंग लिंक सडक़ के निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक द्वारा किया जायेगा।

## जेल प्रहरी सीधी भर्ती परीक्षा 2024 का सफल आयोजन

### एडीएम ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, लिया व्यवस्थाओं का जायजा

जयपुर टाइम्स

**कोटपूतली(निसं.)** राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित जेल प्रहरी सीधी भर्ती परीक्षा 2024 का आयोजन शनिवार 12 अप्रैल को जिले के 24 परीक्षा केन्द्रों पर दो पारियों में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु एडीएम ओमप्रकाश सहारण द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने केंद्र प्रभारियों एवं संबंधितों से बात कर परीक्षा की व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा समय पर प्रवेश, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्राथमिक उपचार एवं समुचित सुरक्षा व्यवस्था की पुष्टि की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो तथा परीक्षा प्रक्रिया पूर्ण रूप से पारदर्शी और अनुशासित ढंग़ से संचालित हो। प्रथम पारी में कुल 8,088 परीक्षार्थियों को परीक्षा में उपस्थित होना था, जिनमें से 6,209 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 1,879 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार परीक्षा में प्रथम पारी में जिले में कुल 76.77 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इसी प्रकार द्वितीय पारी में कुल 8,088 परीक्षार्थियों को परीक्षा में उपस्थित होना था, जिनमें से 6,274 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 1,814 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार परीक्षा में द्वितीय पारी में जिले में कुल 77.57 प्रतिशत परीक्षार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई।

## अवैध देशी कट्टा सहित सरूण्ड थाने की टॉप 10 सूची में वांछित अपराधी को किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

**कोटपूतली(निसं.)** निकटवर्ती सरूण्ड थाना पुलिस ने थाने के टॉप 10 अपराधियों की सूची में शामिल एक बदमाश को अवैध देशी कट्टा सहित गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की है। एसएचओ बाबूलाल मीणा ने जानकारी देते हुये बताया कि जयपुर रेंज आईजी अजयपाल सिंह लाम्बा एवं डीआईजी व जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के निर्देशानुसार थाना क्षेत्र में अवैध हथियार रखने व बेचने वालों सहित सोशियल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर डर फैलाने वाले अपराधियों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विगत 11 अप्रैल शुक्रवार को पुलिस टीम मुखबीर की सूचना पर न्यू मोहनपुरा जाने वाले रास्ते के पास पहुँची तो एक व्यक्ति घने पेड़ों की ओट में मुखबीर के बताये गये हुलिये का दिखाई दिया, जो कि पुलिस जाप्ते को देखकर भागने लगा। जिसको पुलिस ने घेरा बंदी करके पकड़ जाँच की तो उसके पास से एक कट्टा मिला। जिस पर पुलिस ने उक्त कट्टे को जप्त करते हुये आरोपी मोती उर्फ पहलवान (21) पुत्र महेन्द्र गुर्जर निवासी बखरीजा की ढ़ाणी, खड़ब (सरूण्ड) को आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया। उक्त आरोपी मोती उर्फ पहलवान गुर्जर थाना हाजा की टॉप 10 वांछित अपराधियों की सूची में भी शामिल है। जिस पर पूर्व में ही सोशियल मीडिया पर हथियार का प्रदर्शन कर डर फैलाने के एक मामले में अनुसंधान जारी है। पुलिस द्वारा यह भी जाँच की जा रही है कि उक्त आरोपी देशी कट्टा कहां से लाया एवं कहां ले जा रहा था।

## तेज अंधड़ व बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त, किसानों की उम्मीदों पर फिरा पानी

### सीवरेज के गड्ढे में फंसी स्कारपियो गाड़ी, आवागमन हुआ बाधित

जयपुर टाइम्स

**कोटपूतली(निसं.)** विगत शुक्रवार शाम को आई तेज अंधड़ व बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। वहीं खेतों में फसल खटाई का कार्य चलने के कारण किसानों को भी नुकसान हुआ है। शुक्रवार शाम करीब 05.30 बजे शुरू हुई तेज अंधड़ के साथ बारिश ने खेतों में खड़ी और कटी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। बारिश से कोटपूतली क्षेत्र के कई गांवों में खेतों में पानी घुस गया। वहीं दुसरी ओर बारिश से कस्बे में जारी सीवरेज लाईन निर्माण कार्य की भी पोल खुल गई। सीवरेज कम्पनी द्वारा खोदे गये गड्ढे बारिश से किचड़ में तब्दील हो गये। वहीं कस्बे के पुलिस थाना रोड़ लाल कोठी के सामने गहरे गड्ढे में एक स्कारपियो गाड़ी फंस गई। जिससे जाम की स्थिति बन गई एवं आमजन को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला प्रशासन एवं नगर परिषद द्वारा बार-बार निर्देश देने के बावजूद भी सीवरेज निर्माण कम्पनी का अव्यवस्थित व लापरवाही पूर्ण कार्य चल रहा है। सीवरेज निर्माण कम्पनी द्वारा जगह-जगह सीवरेज के गड्ढे खोदकर उन्हें अधुरा छोड़ दिया जाता है। जिससे रात्रि के समय हादसों का खतरा बना रहता है। कई जगह पर सडक़ों पर बैरिकेडिंग तक नहीं की जाती, जिससे आमजन को परेशान होती है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि सीवरेज निर्माण कम्पनी मनमानी कर रही है एवं उसकी धीमी कार्यशैली से सडक़ें धूल, गड्ढों व जल भराव में तब्दील हो गई हैं। लोग लगातार शिकायतें कर रहे हैं, लेकिन कम्पनी पर जिला कलक्टर व नगर परिषद आयुक्त के निर्देशों का भी कोई असर नहीं दिख रहा।

8 शेखावाटी जयपुर टाइम्स
जयपुर, रविवार
13 अप्रेल, 2025

### हनुमान जन्मोत्सव पर धार्मिक आयोजनों की रही धूम

# हनुमान जयंती पर गूंजे जयकारे, मंदिरों में सुंदरकांड, हनुमान चालीसा के पाठ

राजलदेसर।

लक्ष्मणगढ़

मण्डावा।

फुलेरा

चूरू।

चूरू।

चूरू।

चूरू।

पावटा।

पावटा।

सुजानगढ

जयपुर टाइम्स

**राजलदेसर।** स्थानीय कस्बे में श्री अंजनी माता महावीर हनुमान मन्दिर का छठा वार्षिकोत्सव और हनुमान जयंती पर दो दिवसीय धार्मिक आयोजन समापन हुआ। बाबा भक्त गुरूजी हनुमान पारीक त्यागी के आर्शीवाद से गुरू माता विमलादेवी के सानिध्य हुए धार्मिक आयोजन में रात्री में विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें अजय सिंह एण्ड पार्टी बीकानेर की ओर से बाबा के मीठे-मीठे भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को झूमने पर विवश कर दिया। सुबह आठ बजे ज्योत और महावीर हनुमान को भोग लगाया गया। उसके बाद मन्दिर परिसर में तुलसीराम पाण्डे ने सामूहिक सुन्दरकाण्ड का वाचन किया। उसके बाद महाप्रसाद का वितरण किया। जिसमें राजलदेसर कस्बे के साथ आसपास के क्षेत्र सहित देश के अनेक राज्यों से आये भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यर् म में पुजारी परिवार के सदस्यो सहित भक्तों के सहयोग से कार्यर् म का आयोजन हुआ। कार्यर् म में अरूण सर्राफ, करण सर्राफ, मोहित गुप्ता, मनोज पुजारी संकटमोचन, राधेश्याम शर्मा, राकेश, सन्तोष, बजरंग पुजारी, हेमराज, डुंगर, अंकित पुजारी, पवन, सन्नु पारीक, लक्ष्मीदेवी, खुश्बू, सुनीता,कृष्णा पारीक सहित पुजारी परिवार कस्बे के हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

**लक्ष्मणगढ़(निस)।** श्री गढ़ के बालाजी की विशाल शोभायात्रा हनुमान जयंती के अवसर पर शनिवार को निकाली गई। शोभा यात्रा न्यामा बाजार स्थित नारायण इंदौरिया के आवास से रवाना हुई। शोभायात्रा में डीजे, बाहुबली हनुमान, ऊँट, घोड़े, तथा हाथों में हनुमान जी के 41 निशान और साथ में 8 चांदी के निशान श्रद्धालु भक्त शामिल रहें । शोभा यात्रा में सरिता पारीक, लक्ष्मी नितेश गोतम, किरण वेदी, मीना जोशी, उर्मिला पाराशर के नेतृत्व में 251 मंगल कलश के साथ शोभायात्रा में शामिल रही। भजन मण्डली में लोकप्रिय गायक कलाकार प्रदीप पारीक, विठ्ठल मिश्रा जितेन्द्र शर्मा, मनोज पाण्डेय, प्रमोद झुरिया सहित अनेक गायक कलाकारों ने भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। शोभायात्रा में भव्य रथ में विराजमान श्री गढ़ के बालाजी की प्रतिमा के साथ सारनाथ आश्रम फतेहपुर के रोशननाथ और पुजारी परिवार के वरिष्ठ पुजारी पंडित रामजी लाल जोशी रहे। शोभायात्रा में जगह जगह भक्तों ने आरती पूजा की और पुष्प वर्षा की। इस अवसर पर राजस्थान ब्राह्मण महासभा के पूर्व अध्यक्ष सुभाष जोशी, शोभायात्रा के संयोजक गणेश मोदी, संजय जोशी शोभायात्रा के आयोजक डॉ नारायण इन्दोरिया, वैंकटेश जाजोदिया, सुभाष जाजोदिया, पवन जाजोदिया, भगोत जाजोदिया, विश्वनाथ सांडिया, गिरधारी लाल जाजोदिया, सेवानिवृत्त उप निदेशक शिक्षा विभाग रामनिवास शर्मा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विमल चिरानियां, चन्द्रकान्त जाजोदिया, संदीप नाऊवाला, राजकुमार भास्कर, राजेन्द्र शर्मा, दीनदयाल जोशी, प्रकाश पासोरिया, हर्ष मुरारका, कमल कुमावत, हरिराम कुमावत, सुरेन्द्र इन्दोरिया, राजाराम टेलर, पूर्व पार्षद दिनेश मारोठवाला, गौड़ ब्राह्मण समाज अध्यक्ष महेश शर्मा, अवनीश मुदगल सहित बडी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मन्दिर के पुजारी परिवार की ओर से सारनाथ आश्रम फतेहपुर के रोशननाथ महाराज व नारायण इन्दोरिया के परिवार का स्वागत किया गया।

**मण्डावा।** क्षेत्र में हनुमान जयंती का पर्व भक्तिमय माहौल में मनाया गया। अंचल के सभी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। संकट मोचक के मंदिरों में सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा और आरती का आयोजन किया गया। जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया गया। हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सभी धार्मिक कार्यर् म शांतिपूर्ण रहे। सुभाष चौक मुकुन्दग? बस स्टेंड के निकट स्थित पं. राधाकृष्ण मुरलीधर गिरधारी ढण? की हवेली से हनुमान जन्मोत्सव पर शनिवार को सुबह ढण्ढो के बालाजी मन्दिर सोसायटी की ओर से शोभायात्रा निकाली गई । संयोजक भास्कर शर्मा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को ढण्ढो वाले बालाजी मंदिर के लिए हवेली से मुकुंदग? रो? होते हुए ग? के पीछे से नगर पालिका चौक, मुख्य बाजार, सौन्थलिया दरवाजे से सुभाष चौक, बिसाऊ चौराहे होते हुए झुन्झुनूं रो? स्थित ढण्ढो वाले बालाजी मंदिर पहुंचकर ध्वज अर्पित किए गए। मुकुन्दगढ मार्ग स्थित जाल वाले बाला जी मन्दिर में हनुमान जी के जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। भक्त पूरे विधि-विधान से हनुमान जी की पूजा कर रहें हैं। श्री बालाजी मंदिर में कई कार्यर् म आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यर् म संयोजक प0 गिरधारीलाल सुरोलिया ने बताया कि यहा महाआरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया। शाम को सांस्कृतिक संध्या में श्री बालाजी महाराज का विशाल दरबार सजाया जाएगा जिसमें भभाजपा युवा नेता सुनील सैनी, एसएन बावलिया सहित अन्य कलाकारों ने श्री बालाजी के भजनों का गुणगान किया। शहरभर के अनेक स्थलों पर 1100 बार हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ का भी आयोजन जारी है। इसी प्रकार गांव तेतरा में हनुमान प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया।

**फुलेरा** शनिवार का दिन फुलेरा के लिए सिर्फ एक तिथि नहीं, एक दिव्य अनुभूति बन गया। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नगर की गलियों से लेकर मंदिरों तक, हर कोना भक्तिरस में डूबा हुआ प्रतीत हुआ। आसमान में गूंजते जयकारों और मन में उमड़ती श्रद्धा की भावनाओं ने फिजाओं को भी पावन बना दिया। सुबह होते ही श्रद्धालुओं के कदम मंदिरों की ओर बढ़ चले, जैसे हर हृदय श्रीराम के परम भक्त को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने को आतुर हो। मंदिरों में भगवान हनुमान का पंचामृत से अभिषेक कर उन्हें फूलों से सजाया गया – मानो भक्त अपने भावों की माला से उन्हें अलंकृत कर रहे हों। हनुमान चालीसा और सुंदरकांड के पाठ की धुन ने वातावरण को ऐसा भक्तिमय बना दिया कि हर श्वास जैसे राम नाम में लीन हो गई। शाम को जब भजन संध्या का आयोजन हुआ, तो कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने ऐसा माहौल रच दिया, जिसमें उपस्थित जनमानस अपने आप को भूल, प्रभु चरणों में खो गया। भंडारे में बांटे गए प्रसाद में केवल भोजन नहीं, प्रेम, सेवा और समर्पण का स्वाद भी था। हर किसी की आंखों में संतोष, मन में श्रद्धा और चेहरे पर अलौकिक शांति की झलक थी। स्थानीय प्रशासन और सेवाभावी संस्थाओं ने मिलकर इस आयोजन को न केवल सफल बनाया, बल्कि हर दिल में यह भाव भर दिया कि आस्था जब संगठित होती है, तो एक नगर भी तीर्थ बन जाता है।

**सुजानगढ** स्थानीय नााथो तालाब स्थित संजीवनी बालाजी मन्दिर में शनिवार को पूर्णिमा पर श्रीहनुमान जन्मोत्सव होशियार नाथजी का आश्रम भावनदेसर के संत रुद्रनाथ महाराज के पावन सानिध्य में धूमधाम से मनाया गया। कार्यर् म संयोजक मुरारी फतेहपुरिया ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ प्रातः अखण्ड दिव्य ज्योत के साथ बालाजी का फूलों से आलोकिक श्रृंगार किया गया। उसके बाद संगीतमय सुन्दर काण्ड पाठ व 108 संगीतमय श्री हनुमान चालीसा पाठ संध्या आरती तक संपन्न हुआ। पण्डित सुरेंद्र शर्मा व मन्दिर पुजारी विनोद रामावत ने यजमान प्रमोद पंसारी को सप%ीक पूजा अर्चना वैदिक मंत्रोच्चार के साथ करवाई। संत रुद्रनाथ महाराज, सरल नाथ महाराज, गणेश नाथ महाराज, शंकर नाथ महाराज के करकमलों से हनुमान जन्मोत्सव का केक काटकर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया। आयोजन में पधारे सभी संत महात्माओं को शाल ओ?कर, श्रीफल के साथ पुष्पहार से स्वागत अभिनन्दन किया गया। भव्य संध्या आरती के साथ के साथ कार्यर् म सुसंपन्न हुआ। इस अवसर महावीर पंसारी, संदीप मंगलूनिया, सुबीर तोदी, गणेश मोदी, सुरेश सोनी, नवीन सोनी, मुकेश स्वामी, भार्गव, गोपाल सोनी, अजय शोभासरिया, सजेंद्र मंगलूनिया, मनीष जाजोदिया, रामेश्वर लाल अग्रवाल, मनीष खेतान, विकाश रामावत, यश फतेहपुरिया, योगेश फतेहपुरिया, सौरभ सराफ, चंद्रप्रकाश सराफ आदि ने सेवा दी।

**चूरू।** रेलवे कॉलोनी स्थित हनुमान मन्दिर में शनिवार को हनुमान जयंती महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आयोजन समिति के रमेष चन्द्र षर्मा ने बताया कि शुर् वार शाम को भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें ब?ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। वहीं शनिवार को प्रातः बालाजी महाराज की पूजा-अर्चना कर यज्ञ किया गया, जिसमें मुख्य यजमान संतलाल बरो?, बजरंगलाल प्रजापत, दिलीप सिंह, बाबूलाल मीणा, संजीव सोनी ने सप%ीक यज्ञ में आहुतियां दी। शर्मा ने बताया कि हनुमान जयंती महोत्सव को लेकर शनिवार को भव्य मेले का आयोजन किया गया और दोपहर को बालाजी महाराज के भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बालाजी के भोग लगाकर सभी को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर ब?ी संख्या में महिला-पुरूष उपस्थित रहे।

**चूरू।** जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव श्योपुरा बालाजी धाम में हनुमान जन्मोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बालाजी महाराज का रंग-बिरंगे फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। शुर् वार रात्रि को मंदिर प्रांगण में विशाल रात्री जागरण का आयोजन किया गया। मंदिर के पुजारी हरिचरण शर्मा ने महाराज गजानंद थे आओ म्हारी सभा में रंग बरसाओ से कार्यर् म का आगाज किया। इस अवसर पर भजन गायकर संजय सर्वा ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आणो है सहित अनेक भजनों की शानदार प्रस्तुतियां देकर कार्यर् म में चार-चांद लगा दिये। चूरू के श्याम लाल उपाध्याय ने हनुमान जयंती है ऐसा लगता है पूरे संसार की जयंती है..., बालाजी ने ला? लडावे माता अंजना आदि भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यर् म में हरियाणा के कलाकारों की सजीव झांकियां व नृत्य-नाटिका आकर्षण का केन्द्र रही। मंदिर के प्रमोद पीपलवा ने बताया कि शनिवार को सुबह 8 बजे मंदिर प्रांगण से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में हिसार के संदीप के सानिध्य में बाहुबली हनुमान झांकी, राधा-कृष्ण झांकी, महाकाल, अघोरी झांकियां सजाई गई। शोभायात्रा मंदिर से रवाना होकर गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंची। मंदिर में शनिवार का रामग? शेखावाटी के कलाकारों की ओर से संगीत मय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महावीर पुजारी, मयंक पुजारी, योगेश बील, इशु, शंकर, श्याम मंदिर के पुजारी भोलाराम, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, दीनदयाल रामग?िया, रामलाल मील, किशन मुहाल, रामग? के सुरेश मिश्रा, महेश अग्रवाल, गोपी राम चोटिया, रामावतार चोटिया, उत्तम कुमार बील, कैलाश चंद्र नवहाल, नारायण भाटी, ज्योति प्रकाश काछवाल, हीरालाल सैनी, पूर्व सरपंच पवन सैनी आदि ने सहयोगी भूमिका निभाई। इस अवसर पर पुजारी हरिचरण शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

**चूरू।** हनुमानग?ी बालाजी मंदिर में स्वर्ण जंयती पर्व को लेकर दो दिवसीय धार्मिक कार्यर् म के तहत शुर् वार रात्री को सुन्दरकाण्ड समिति की ओर से भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यर् म संयोजक यशपाल भावसिंका ने बताया कि कार्यर् म का शुभारम्भ पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत् पूजा-अर्चना से किया गया। कार्यर् म में विभिन्न प्रकार की झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही। शनिवार को भव्य मेला भरा। मेले में ब?ी संख्या में महिला-पुरूषों ने भाग लिया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

**चूरू।** शहर के निकटवर्ती कस्बे रतननगर में वीर हनुमान भक्त मंडल परिवार की ओर से वीर हनुमान मंदिर में हनुमान जंयती महोत्सव पर शुर् वार रात्रि को भव्य रात्री जागरण का आयोजन किया गया। कार्यर् म में बुद्धगिरी मंडी फतेहपुर के महंत दिनेश गिरी महाराज व झारिया धाम के महंत आकाशनाथ महाराज ने एक से ब?कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान नान महाराज, मनसुख महाराज, गोपाल चोटिया, महावीर झिकना?िया व हनुमान ने भी अपनी मधुर वाणी से आकर्षक भजनों की प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। कार्यर् म का शुभारंभ बालाजी महाराज की दिव्य ज्योत प्रज्वलित कर किया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शनिवार को प्रातः ज्योत प्रज्ज्वलित कर भगवान का भोग लगाया गया। पुजारी सूर्य प्रकाश स्वामी ने विधिवत पूजा-अर्चना कराई। कार्यर् म का आगाज कलाकारों ने गणेश वंदना से किया। इस अवसर पर लक्ष्मणग? के ओम प्रकाश व संदीप जांगि? एंड पार्टी ने छम-छम नाचे देखो वीर हनुमाना सहित बालाजी के अनेक भजनों की प्रस्तुति देकर कार्यर् म में समां बांध दिया। इस दौरान महाआरती की गई, जिसमें ब?ी संख्या में महिला-पुरुषों ने भाग लिया। इस अवसर पर अशोक कुमार, ओम प्रकाश, विनोद कुमार, पवन कुमार, राम निरंजन, राजकुमार, जयेश, दानिश, उमेश, मुरारीलाल, राहुल, पंकज झिकना?िया, बसंत हीरावत, राजकुमार धीरेन्द्रा, प्रदीप डीडवानिया, मदन गहलोत, संजय बील, मनोहर सेवदा, मधु स्वामी सहित ब?ी संख्या में कस्बें के लोग उपस्थित रहे।

**पावटा।** कस्बे के में स्थित किड्स गार्डन एआई स्कूल में शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव कार्यर् म को लेकर संगीतमय में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान बालाजी महाराज की भव्य झांकी सजाई जाकर विशेष पूजा का आयोजन किया। वहीं बलराज सिंह शेखावत ने दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना कर कार्यर् म की शुरुआत की।वहीं कार्यर् म आयोजन के अंतर्गत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यर् म के संयोजनकर्ता व संस्था के निदेशक कमल यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यर् म आयोजन के अंतर्गत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे, जहां हनुमान जन्मोत्सव कार्यर् म को लेकर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। तत्पश्चात प्रसाद वितरण कार्यर् म का भी आयोजन रहा। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक संदीप कुमार जैन,भारती पीजी कॉलेज के उप प्राचार्य मुकेश कुमार यादव,बलराज सिंह शेखावत, सोनिया जैन,ओमप्रकाश कुमावत, दीपक सिंह शेखावत,रवि कुमार सैनी,दीपक टेलर,जाकिर खान ,बाबूलाल शर्मा,धर्मपाल सिंह शेखावत,जितेंद्र प्रजापत, उर्मिला सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

**पावटा।** भक्तों की आस्था का केन्द्र श्री झीड़ा का बालाजी महाराज बजरंगपुरा आस पास के क्षेत्र में ही नहीं वरन संपूर्ण भारतवर्ष में सुप्रसिद्ध है। यहां पर भारत के सभी प्रांतों से भक्त अपनी अपनी मनोकामनाओं के साथ प्रसादी चढ़ाने आते रहते हैं। मन्दिर के पुजारी बालाजी महाराज, ईश्वरलाल व्यास, पं. सुरेश चन्द्र शास्त्री, ओमदत्त शास्त्री, कमलेश शास्त्री, रमेशचंद्र शास्त्री, शिवकुमार व्यास, राधेश्याम व्यास, महेन्द्र व्यास ने बताया कि प्रति वर्ष चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को बड़े ही धूमधाम से श्री बालाजी महाराज के जन्मोत्सव पर लक्खी मेले का आयोजन होता है। शनिवार बालाजी के मेले के शुभ अवसर पर सभी पुजारियों, भक्तों व मेला कमेटी की देखरेख में सुव्यवस्थित रूप से मेले का आयोजन हुआ। शनिवार प्रातःकाल बालाजी महाराज का पुष्पों से श्रृंगार कर भव्य दरबार सजाया गया। मेले में दूर दराज से आये हुये संगीत के विशेष कलाकारों द्वारा बाबा की महिमा का अनेक मनभावन भजनों के द्वारा गुणगान किया गया। मेला कमेटी द्वारा आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में दूर दराज से आए हुए पहलवानों ने अपने अपने दांव-पेंच दिखाकर ग्रामीणों का मन जीत लिया। मेले में अनेक प्रकार के मनिहारी सामान व नाश्ते पानी आदि की दुकाने सजाई गई। सभी भक्तों ने अपनी अपनी श्रद्धा भक्ति के अनुसार बाबा के चरणों में धोक लगाकर अपनी सेवाएं समर्पित की। मेला कमेटी द्वारा प्रति वर्ष रात्रिकाल में हजारों श्रद्धालुओं के द्वारा धमाल के कार्यर् म का आयोजन किया जाता है जिसमें बहुत दूर दूर से धमाल के कलाकार भाग लेते हैं।कार्यर् म आयोजन के अंतर्गत पूर्व प्रधान सुवालाल यादव, केरली सरपंच रामजीलाल यादव, बजरंगपुरा सरपंच रामनिवास, सांवरमल, सोहनलाल व्यास बजरंग युवा उत्थान समिति के अध्यक्ष नेमीचंद शर्मा, उपाध्यक्ष कैलाश कसाना ,सचिव कमलेश सैनी,हंसराज रावत, रोहीतास कसाना , जमन सहाय शर्मा, मुकेश कसाना, रमेश रावत सहित आनेको सेवाभावी लोग व प्रतिनिधि लोगों ने इस कार्यर् म में हिस्सा लिया।

# शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, रविवार
13 अप्रैल, 2025


## खनन विभाग की कार्रवाई: अवैध खनन और परिवहन करते डंपर पर 1,20,482 रुपए जुर्माना

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** राज्य सरकार के संयुक्त प्रदेशव्यापी अवैध खनन व परिवहन रोकथाम अभियान के तहत शनिवार को सहायक खनि अभियंता नोरंगलाल मेघवाल के निर्देशन में रतनगढ़ क्षेत्र में अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ औचक कार्रवाई की गई। सहायक खनि अभियंता नोरंगलाल मेघवाल ने बताया कि कार्रवाई में सिलिका सैंड से भरा हुआ 1 डंपर पकड़ा गया। वाहन चालक ने खनिज सिलिका सैण्ड बीकानेर से लेकर आना बताया। उन्होंने बताया कि वाहन चालक के पास रवन्ना में अंकित मात्रा से अधिक खनिज भरा होने के कारण वाहन पर 1,20,482 रुपए जुर्माना क़ायम कर वसूल किया गया। कार्रवाई के दौरान खनि कार्यदेशक मगनाराम मिर्धा, बॉर्डर विंग फोर्स के चरणजीत सिंह राकेश कुमार व महावीर बाना साथ रहे। उन्होंने बताया कि अवैध खनन ए व परिवहन के खिलाफ निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

## पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के अवकाश पर रोक

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनूं(निस)।** गर्मी के मौसम को देखते हुए जिले में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर मीणा ने बताया कि गर्मी के मौसम में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पेयजल व्यवस्था की लगातार निगरानी जरूरी है। इसी के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है कि विभाग के किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बिना पूर्व अनुमति के अवकाश नहीं दिया जाएगा और वे बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि यदि किसी विशेष परिस्थिति में अवकाश की आवश्यकता होती है, तो इसके लिए जिला कलेक्टर से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

## विश्व सर्प जागरूकता दिवस पर सेमिनार

जयपुर टाइम्स

**लक्ष्मणगढ़(निस)।** राजस्थान वाइल्डलाइफ एंड नेचर सोसयटी लक्ष्मणगढ़ के तत्वावधान में छठवां विश्व सर्प जागरूकता दिवस भारतीय पब्लिक स्कूल (सीकर) में मनाया गया। इस अवसर पर "सर्प शिक्षा व सर्पदंश जागरूकता" विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेस डॉ के के शर्मा, पूर्व कुलपति महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर, मिशन स्नेक बाईट डेथ फ्री इंडिया व सर्प शिक्षा अभियान के प्रणेता थे। प्रो.शर्मा ने विद्यार्थियों को सर्प शिक्षा अभियान, सर्पदंश से बचाव, साँपो की विभिन्न प्रजातियों के बारे में जानकारी दी। प्रो.शर्मा ने कहा कि साँप हमारे इकोसिस्टम के महत्वपूर्ण घटक है। इनकी सुरक्षा करना प्रत्येक भारतीय का नैतिक जिम्मेदारी है। इस दौरान संस्थान के वॉइस चेयरमैन डॉ शीशराम रणवा, स्कूल निदेशक राजेन्द्र ढाका, संस्था के एमडी विद्याधर कस्वां, प्रिंसिपल रीटा शर्मा, कार्यक्रम संयोजक सर्प शिक्षक भवानी शंकर सोनी, सर्प शिक्षक जालिम सिंह, सर्प शिक्षक बुद्ध प्रकाश सैनी, राजस्थान वाइल्डलाइफ एंड नेचर सोसयटी लक्ष्मणगढ़ के संस्थापक अध्यक्ष कैलाश चंद सैनी, डॉ विवेक अठवानी (सर्पदंश चिकित्सा विशेषज्ञ), डॉ पंकज शेखावत, पंकज वर्मा ,रामनिवास राजोतिया, आयुष सैनी,निशांत सैनी, हिमांशु सैनी, दक्ष सिंह, सुरेन्द्र सिंह भाटी अजमेर, संस्थान के विद्यार्थी व शिक्षको सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

## पंजाबी थ्रेसर चालक की मौत

जयपुर टाइम्स

**सुजानगड(नि.सं.)।** थ्रेसर मशीन पर रात में सोए हुए चालक का सुबह शव बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार छापर रोड स्थित गुलेरिया तिराहे पर शनिवार सुबह करीब 7 बजे मध्यप्रदेश से पंजाब जा रहे थ्रेसर मशीन के ड्राइवर की अचानक तबियत बिगड गयी, सूचना पर टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार, एम्बुलेंस चालक नवर बिजारणिया तथा 108 मौके पर पहुंचे और युवक को अस्पताल लाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रचावा दिया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है, जिनके आने के बाद ही आगे की कार्यवाही होगी। मृतक की पहचान गुरदीप सिंह (35) पुत्र भौला सिंह, निवासी बरनाला पंजाब के रूप में हुई है। संभवतया हार्ट अटैक मृत्यु का कारण हो सकता है।

# शिक्षा शेरनी का दूध,जो पीएगा वो दहाड़ेगा: सहारण

### घांघू के शहीद सैनिक हवलदार लखुसिंह राबाउमावि में पुस्तकालय का लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** गांव घांघू के शहीद सैनिक हवलदार लखुसिंह राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक (पशुपालन) प्रभुदयाल बरवड़ की ओर से अपनी माता जड़िया देवी व पिता खेमाराम की स्मृति बनवाए गए पुस्तकालय कक्ष का लोकार्पण शनिवार को सरपंच विमला देवी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विधायक हरलाल सहारण ने किया। इस दौरान शिक्षिका मधु फगेड़िया के निर्देशन में बालिकाओं ने प्रभावी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर सहारण ने भामाशाह की सराहना करते हुए कहा बाबा साहेब अंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो भी इसे पीएगा, वह दहाड़ेगा। उन्होंने कहा कि भामाशाह प्रभुदयाल बरवड़ ने जिन परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए पढ़-लिखकर एक उच्च मुकाम हासिल किया, उन परिस्थितियों को उन्होंने ध्यान में रखते हुए बालिका शिक्षा की गुणवत्ता के लिए अपनी मेहनत की कमाई दान की है, यह अपने आप में एक मिसाल है। ग्रामीणों को बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। बालिका शिक्षा के बिना कोई समाज पूरी गति से आगे नहीं बढ़ सकता है। उन्होंने पुस्तकालय के लिए दो लाख रुपए देने और विद्यालय में एक हॉल बनवाने की घोषणा इस अवसर पर करते हुए कहा कि राज्य सरकार गांवों के विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर काम कर रही है। चूरू के विकास में आगे भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी। अध्यक्षता करते हुए सरपंच विमला देवी ने ग्राम पंचायत के विकास कार्यों की जानकारी दी और विभिन्न आवश्यकताओं की ओर विधायक हरलाल सहारण का ध्यान आकर्षित किया। विशिष्ट अतिथि के जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद सिंह राठौड़ ने कहा कि पुस्तकालय निर्माणकर डॉ प्रभु दयाल ने बहुत ही ने कार्य किया गया है। मंचस्थ डॉ मुमताज अली ने कहा कि पुस्तकालय व विद्यालय के लिए जो भी कमी महसूस होगी, उसे मैं पूरी करूंगा। शिक्षाविद ओमप्रकाश तंवर ने कहा कि पुस्तक से बड़ा कोई गिफ्ट नहीं होता, एक पुस्तक आदमी का संपूर्ण जीवन बदल सकती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य जगदीश खेड़ीवाल ने अतिथियों, ग्रामीणों व भामाशाह का आभार जताया। इस दौरान पूर्व सरपंच जयप्रकाश शर्मा, पूर्व जीएसएस अध्यक्ष परमेश्वर लाल दर्जी, राजकुमार फगेड़िया, शिक्षाविद तनुराम माहिच, बीरबल नोखवाल, अब्दुल हबीब, अजीत सिंह, प्रताप सिंह कुमावत, शफी मोहम्मद गांधी, मधु फगेड़िया, रामचंद्र प्रजापत, डॉक्टर ओमप्रकाश गुडेसर, डॉ. ओमप्रकाश महला, खेमाराम गुरी, बरकत खां, बन्ने खां, जय सिंह, रणजीत सिंह, नारायण मेघवाल, बनवारी लाल गुरी, हनुमान प्रसाद, प्रकाश चंद्र शर्मा, मुस्ताक अहमद, विजयलक्ष्मी, कमला कस्वां, सरिता महला, विकास शर्मा, श्रीचंद, अमित कुल्हरी, राजेश जांगिड़ आदि उपस्थित रहे । संचालन बाबूलाल शर्मा व चिमनलाल शर्मा ने किया।

### विपक्ष ने बताया जनमानस की भावनाएं आहत करने वाला कार्य

## पंचायत समिति, ग्राम पंचायत व नगरपालिका वार्ड परिसीमन में भेदभाव का आरोप

जयपुर टाइम्स

**तारानगर(निस)।** तारानगर पंचायत समिति, ग्राम पंचायत व नगरपालिका वार्ड परिसीमन को लेकर विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने तारानगर के किसान मजदूर भवन में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर परिसीमन के प्रस्तावों को किसी व्यक्ति विशेष को राजनीतिक फायदा पहुंचाने के उद्देश्य वाला व आम जनता के सुख सुविधाओं को नजरंदाज कर तैयार किया गया जन विरोधी प्रस्ताव बताया। तारानगर पंचायत समिति के पूर्व प्रधान तिलोका राम कस्वां ने कहा कि तारानगर शहर से 5 से 10 किलोमीटर दूरी वाली ग्राम पंचायतों को प्रस्तावित भालेरी पंचायत समिति में शामिल किया गया है जो 40 से 50 किलोमीटर दूरी पर स्थित हैं। कॉमरेड निर्मल कुमार ने कहा कि ग्राम पंचायतों के परिसीमन में व्यक्ति विशेष को फायदा पहुंचाने के लिए कुछ गांवों को उनकी भौगोलिक परिस्थितियों व सुविधाओं को नजर अंदाज कर अलग ग्राम पंचायतों में जोड़ा जा रहा है। निर्मल कुमार ने बताया की महात्मा, गोगटिया पट्टा चंगोई, सुखवासी, मोरथल, पिथाणा, लुडनिया बड़ा, बिघरान, चलकोई खिचड़ान, झाड़सर गंजिया आदि गांवों को दुर्भावनावश अन्य पंचायतों में जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि चूरू मरुस्थलीय जिले में शामिल होने के कारण भालेरी, बुचावास, राजपुरा, सात्यूं, बांय व धीरवास बड़ा की दो दो पंचायतें बनाई जाए। तारानगर नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि मुंशी खां तेली व पार्षद हरिसिंह बेनीवाल ने कहा कि नगरपालिका के 35 वार्डों के पुनर्गठन में विरोधी दल के नेताओं को नुकसान पहुंचाने व अपने चहेतों को अनावश्यक लाभ पहुंचाने के लिए बहुत ज्यादा भेदभाव व नियमों की अनदेखी की गई है। रामजी लाल कुलड़िया ने कहा कि परिसीमन को लेकर आम जनता की सुख सुविधाओं का ख्याल रखा जाना चाहिए न कि किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत महत्वकांक्षा का। कॉमरेड उमराव सिंह ने कहा कि परिसीमन को लेकर 18 अप्रैल को प्रातः 11 बजे इंद्रलोक भवन तारानगर में एक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जिसमें आगामी रणनीति तय की जाएगी। प्रेस वार्ता के अवसर पर एडवोकेट प्रमोद शर्मा, नीतेश उपाध्याय, मनोज कुमार कस्वां, कुनण मल बरोड़ उपस्थित रहें।

## बच्चे को गोद में लिए दौड़ती परीक्षा केंद्र पहुंची महिला: 5 मिनट लेट होने से नहीं मिला प्रवेश

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनूं(निस)।** झुंझुनूं में जिला मुख्यालय पर कुल 34 परीक्षा केंद्रों पर दो पारियों में जेल प्रहरी सीधी भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा के लिए 20 हजार 240 अभ्यर्थियों का रजिस्ट्रेशन है। इस बीच जेके मोदी स्कूल सेंटर पर जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा के दौरान महिला अभ्यर्थी की बेबसी भी नजर आई। सेंटर पर पहली पारी सुबह 9 बजे से शुरू हुई। इसी दौरान गोद में बच्चा लिए एक महिला अभ्यर्थी दौड़कर सेंटर पहुंची। लेकिन वह तय समय से 5 मिनट लेट हो गई, जिसके कारण उसे प्रवेश देने से सुरक्षाकर्मियों ने इनकार कर दिया। महिला ने मजबूरी बताते हुए कहा कि वे गलती से दूसरे केंद्र पर चली गई थी, लेकिन निर्धारित एसओपी के कारण पुलिस ने प्रवेश से साफ इनकार कर दिया। हांफती हुई महिला ने सुरक्षाकर्मियों से मिन्नतें की, लेकिन नियमों का हवाला देते हुए उसे अनुमति नहीं दी गई। इस दौरान महिला ने खुद के बारे में किसी प्रकार की जानकारी देने से मना कर दिया। पहली पारी की परीक्षा सुबह 10 बजे शुरू हुई, जबकि दूसरी पारी दोपहर 3 बजे से शुरू हुई। बोर्ड के निर्देशों के अनुसार परीक्षा शुरू होने से एक घंटे पहले, यानी पहली पारी के लिए सुबह 9 बजे और दूसरी पारी के लिए दोपहर 2 बजे परीक्षा केंद्रों के गेट बंद करने का नियम है। इस नियम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी अभ्यर्थियों की प्रवेश से पहले ठीक से जांच हो सके और परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो। प्रशासन और पुलिस ने भी परीक्षा को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए है।

## बस स्टेंड पर दोनों शौचालय बंद, यात्री परेशान

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ(नि.सं.)।** नगरपरिषद के कार्मिकों की लापरवाही के कारण आम जन को परेशान होना पड रहा है। खासकर तब जब सिद्धपीठ सालासर में हनुमान जयंती का मेला लगा और बस स्टेंड से होकर रोज हजारों श्रद्धालुओं का आगमन सुजानगढ में हुआ। सुजानगढ के पुराने बस स्टेंड पर भारत हॉस्पीटल के सामने स्थित शौचालय की मरम्मत का कार्य बीच में ही लटका पडा है। जिसके कारण यहां पर आने वाले लोगों, खासकर महिलाओं के लिए लघुशंका की काफी बडी दिक्कत रही। दूसरी ओर चौथमल सेठिया विश्रामालय में बने शौचालयों पर भी ताला जडा जडा है। ऐसे में सोचने वाली बात ये है कि बस स्टेंड पर दो शौचालय हैं और दोनों बंद पडे हैं, तो यहां रोज आने वाले हजारों लोगों को कितनी परेशानी का सामना करना पढ रहा है। इस बारे में जनहित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष एडवोकेट रामकुमार मेघवाल ने बताया कि नगरपरिषद के अधिकारियों की मोनिटरिंग का अभाव है और कर्मचारी अपने आप जनहित के काम करना पसंद नहीं करते और जनप्रतिनिधियों को जनहित के कामों से कोई वास्ता नहीं है, इसलिए ये दुर्दशा है। इसलिए हमारी मांग है कि तुरंत प्रभाव से जनहित में दोनों शौचालयों का रोज सुचारू संचालन किया जाए।

## आदित्य चौधरी की द्वितीय पुण्यतिथि पर 140 यूनिट रक्तदान

जयपुर टाइम्स

**उदयपुरवाटी(निस)।** कस्बे में जमात स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में शनिवार को रक्तदान शिविर व फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही चिकित्सा शिविर में सैकड़ों रोगियों ने लाभ उठाया। शिविर में आदित्य चौधरी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर शिविर में पधारे समस्त लोगो ने श्रद्धांजलि अर्पित की। शिविर की जानकारी देते हुए एडवोकेट सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि उनके पुत्र आदित्य चौधरी की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया ओर 140 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। एडवोकेट सुरेंद्र चौधरी ने रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान करने वाले युवाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही जयपुर की शांति ब्लड सेंटर टीम ने रक्त संग्रहीत किया व फ्री चिकित्सा शिविर में मरुधरा अस्पताल जयपुर के डॉक्टर की टीम ने सैकड़ो मरीजो का इलाज किया। शिविर के दौरान एडवोकेट सुरेन्द्र चौधरी, सुनीता देवी, हिमांशु सैनी, जीतू स्वामी, राहुल ओला,पार्षद पिन्टू स्वामी, परमेश्वर दास स्वामी, दिनेश सैनी, आंकित स्वामी, अनिल कुमावत सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

## भारतीय संस्कृति में गाय की महिमा अपरंपार: मुनेश कुमारी

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** मण्डावा उपखण्ड अधिकारी मुनेश कुमारी ने कहा कि हमारी संस्कृति में गाय की महिमा अपरंपार है। हमारे शास्त्रों में गंगा, गोमती, गीता और गोविंद की भांति गाय भी अत्यंत पवित्र मानी गई है और गौ-माता की सेवा से सभी देवी-देवताओं के पूजन का फल मिल जाता है। उन्होंने कहा कि संत-महन्त हमारी संस्कृति के वाहक है तथा हजारों वर्षों से हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने में इनका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि समाज का दायित्व है कि गौमाता के सम्मान और संरक्षण के लिए अपनी भूमिका निभाएं और एक जन-जागरण अभियान चलाकर आमजन को प्रतिदिन गायों की सेवा करने के लिए प्रेरित करें। उल्लेखनीय है कि शनिवार को मुकुन्दगढ़ मार्ग स्थित कामधेनू गौशाला में चैत्र पूर्णिमा के उपलक्ष्य में मंडावा एसडीएम मुनेश कुमारी ने अपने पति माधोपुर एसड़ीएम अनिल कुमार के साथ आकर गौशाला का अवलोकन किया और गोवंश को चारा व गुड खिलाकर गोमाता का आशीर्वाद लिया। साथ ही साथ गर्मी को देखते हुए सुझाव और दिशा निर्देश भी दिए। गौशाला प्रभारी रविन्द शर्मा ने उनकी अगवानी की।

## दुकान में चोरी करने का आरोप

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ(नि.सं.)।** नया बास स्थित एक दुकान से 10 हजार की चोरी हो जाने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस को दी गई रिपोर्ट में नंदकिशोर गुर्जर ने बताया है कि 9 अप्रेल को अलसुबह राजू उर्फ नदीम ने घर में घुसकर दुकान में से 10 हजार रूपए चोरी कर लिए। नंदकिशोर ने पुलिस को बताया है कि आरोपी मेरी दुकान पर आता-जाता रहता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, रविवार
13 अप्रेल, 2025

## हनुमान जन्मोत्सव की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

### ग्राम पंचायत सालासर

- हाथ धोते समय कम से कम पानी का उपयोग करें।
- शेविंग या बर्तन धोते समय जब प्रयोग में न हो, नल बंद कर दें
- अपने दाँत ब्रश करते समय एक कप या गिलास का उपयोग करें
- नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी का इस्तेमाल करें

प्रशासक
गीता देवी

ग्राम विकास अधिकारी
राजेश बेरवाल

## हनुमान जन्मोत्सव की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

### ग्राम पंचायत सालासर

- हाथ धोते समय कम से कम पानी का उपयोग करें।
- शेविंग या बर्तन धोते समय जब प्रयोग में न हो, नल बंद कर दें
- अपने दाँत ब्रश करते समय एक कप या गिलास का उपयोग करें
- नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी का इस्तेमाल करें

प्रशासक
बसीरा बानो

ग्राम विकास अधिकारी
जितेंद्र सिंह

## हनुमान जन्मोत्सव की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

### ग्राम पंचायत सालासर

- हाथ धोते समय कम से कम पानी का उपयोग करें।
- शेविंग या बर्तन धोते समय जब प्रयोग में न हो, नल बंद कर दें
- अपने दाँत ब्रश करते समय एक कप या गिलास का उपयोग करें
- नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी का इस्तेमाल करें

प्रशासक
भवानी सिंह

ग्राम विकास अधिकारी
जितेंद्र सिंह

## हनुमान जन्मोत्सव की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

### ग्राम पंचायत गुड़ावडी

- हाथ धोते समय कम से कम पानी का उपयोग करें।
- शेविंग या बर्तन धोते समय जब प्रयोग में न हो, नल बंद कर दें
- अपने दाँत ब्रश करते समय एक कप या गिलास का उपयोग करें
- नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी का इस्तेमाल करें

प्रशासक
मंजू देवी

ग्राम विकास अधिकारी
जितेंद्र सिंह

## हनुमान जन्मोत्सव की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

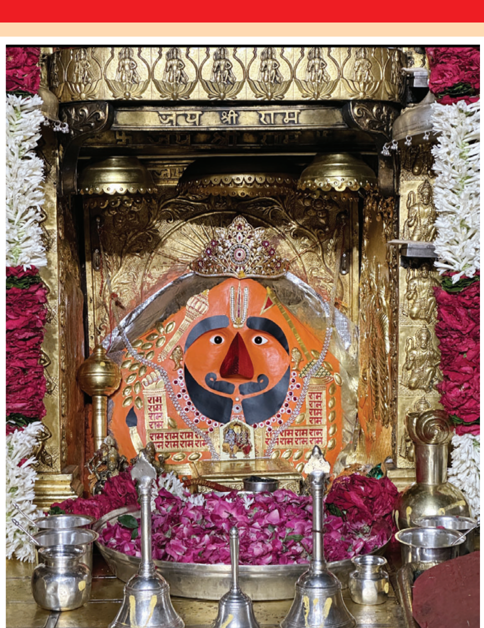

### ग्राम पंचायत लोडसर

- हाथ धोते समय कम से कम पानी का उपयोग करें।
- शेविंग या बर्तन धोते समय जब प्रयोग में न हो, नल बंद कर दें
- अपने दाँत ब्रश करते समय एक कप या गिलास का उपयोग करें
- नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी का इस्तेमाल करें

प्रशासक
कन्हैया लाल शर्मा

ग्राम विकास अधिकारी
मुकेश रणवा

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।